दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03, अंक 161 | ग्वालियर गुरुवार 18 जून 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

चीन के खिलाफ देश भर में फूटा आक्रोश

नई दिल्ली। चीन के खिलाफ भारत में खासा आक्रोश दिख रहा है। अपनी करतूतों से बाज न आने वाले चीन ने सीमा पर तैनात भारतीय जवानों पर हमला कर दिया जिसमें 20 शहीद हो गए। जवाबी कार्रवाई में चीन के भी 43 सैनिक मारे गए हैं। अब देशभर में लोग सड़क पर उतर अपने गुस्से का इजहार कर रहे हैं। राजधानी दिल्ली, उत्तर प्रदेश, गुजरात समेत तमाम राज्यों के कई शहरों में चीन के खिनाफ प्रदर्शन देखने को मिला।

बंगाल के उत्तरी जिले के विभिन्न इलाकों में सैंकड़ों लोगों ने शहीद भारतीय जवानों के लिए न्याय की गुहार लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया और चीनी सामानों के बहिष्कार की अपील की। गुस्साए लोगों ने बुधवार को देश भर में विरोध प्रदर्शन किया और चीनी सामानों पर जमकर अपना गुस्सा निकाला। गुजरात के अहमदाबाद स्थित बापू नगर में चीन की हरकत से गुस्साए लोगों ने तो चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की तस्वीरों को आग में जलाकर खाक कर दिया। चीन के खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों में विरोध प्रदर्शन जारी है। कई जगह पर विरोध प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया है। उत्तर प्रदेश और बिहार के कई शहरों में चीन के खिलाफ प्रदर्शन

किए गए। चीन मुर्दाबाद के भी नारे लगाए गए और गुस्साए लोगों ने तो चीन के गैजेट्स भी तोड़ डाले लद्दाख में भारत-चीन के बीच झड़प के बाद उत्तराखंड के सीमांत गांवों के लोगों में खासा आक्रोश है, सीमांत के लोगों ने सेना के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चीन को जवाब देने की ठानी है, चमोली, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़ से लगती चीन सीमा से सटे गांवों के लोग चीन को करारा जवाब देने के पक्ष में हैं।

व्यर्थ नहीं जाएगा जवानों का बलिदान : पीएम नरेंद्र मोदी

वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन के सैनिकों के साथ हुई झड़प में शहीद होने वाले भारतीय जवानों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि उनकी शहादत बेकार नहीं जाएगी। पीएम मोदी ने कहा, मैं देश को इस बात के लिए आश्वस्त करता हूं। हमारे लिए देश की एकता और अखंडता सर्वोपरि है। भारत शांति चाहता है, लेकिन माकूल जवाब देने का सामर्थ रखते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने गृहमंत्री अमित शाह और देश के 15 मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान कहा कि शहीद जवानों पर देश को गर्व है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा मैं शहीदों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं, जवानों और उनके परिवार को भरोसा दिलाता हूं कि देश आपके साथ है, स्थिति कुछ भी हो देश आपके साथ है। भारत अपने स्वाभिमान और हर एक इंच जमीन की रक्षा करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एलएसी पर भारतीय जवानों की शहादत पर कहा, हम कभी किसी को भी उकसाते नहीं हैं, लेकिन हम अपने देश की अखंडता और संप्रभुता के साथ समझौता भी नहीं करते हैं। जब भी समय आया है, हमने देश की अखंडता और संप्रभुता की रक्षा करने में अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया है, अपनी क्षमताओं को साबित किया है। पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन की सीमा पर उत्पन्न मौजूदा हालात पर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 जून को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा, %भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में स्थिति पर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 जून को शाम 5 बजे सर्वदलीय बैठक बुलाई है। विभिन्न राजनीतिक दलों के अध्यक्ष इस बैठक में शामिल होंगे। पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में सोमवार रात को भारत-चीन के सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प में चीन के कमांडिंग अफसर को भी ढेर कर दिया गया। वहीं, घटना में 40 से ज्यादा चीनी सैनिक मारे गए हैं। सैनिक टकराव का हिस्सा थे, उन्होंने चीन के हताहत हुए सैनिकों की संख्या के बारे में बताया है। हालांकि, सही संख्या कितनी है, यह तो सामने नहीं आया है लेकिन 40 से अधिक चीनी सैनिक झड़प में मारे गए हैं।

सीएम शिवराज के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने थाने पहुंचे दिग्विजय सिंह

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह बुधवार 17 जून को भोपाल में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने क्राइम ब्रांच थाने पहुंचे। मामला एक साल पुराना और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वीडियो का है। दिग्विजय सिंह का कहना है वीडियो में छेड़छाड़ कर उसे वायरल किया गया था। दिग्विजय सिंह ने कहा जैसे मेरे खिलाफ साइबर दर्ज की गई है, वैसे ही शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ भी केस दर्ज किया जाए। उन्होंने कहा अगर एफआईआर दर्ज नहीं की गयी तो आगे अदालत का विकल्प खुला है। दिग्विजय सिंह ने कहा, भाजपा की शिकायत पर मुझ

पर और मेरे साथ 12 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गयी है। जिस प्रकार उनकी शिकायत पर एफआईआर दर्ज हुई, उसी प्रकार मेरी और मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी की शिकायत पर अब शिवराज के खिलाफ एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। दिग्विजय सिंह ने कहा जब तक वीडियो में एडिटिंग किसने की ये न पता चल जाए, तब तक कांग्रेस के कार्यकर्ता पर कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। दिग्विजय सिंह 1 साल पुराने उस वीडियो का हवाला दे रहे हैं, जिसमें शिवराज सिंह चौहान ने राहुल गांधी का एक फेक वीडियो शेयर किया था। शिवराज सिंह चौहान ने कहा था, अरे यह क्या? राहुल जी भाषण में ही सही, समय पर किसान कर्ज माफी न करने पर आखिरकार आपने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री बदल ही दिए। क्या बात है, आप ऐसे महान व्यक्ति हैं, जो बड़े काम चुटकी में कर सकते हैं। शिवराज सिंह चौहान ने जो वीडियो को शेयर किया था, वह राहुल गांधी के एक लंबे वीडियो का छोटा सा हिस्सा था।

पेट्रोल-डीजल के दामों में उछाल जारी, 11वें दिन भी हुआ महंगा

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल के दामों में गिरावट के चलते घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में उछाल जारी है। आज फिर दोनों ईंधनों की कीमतें बढ़ी हैं। पिछले 11 दिनों में पेट्रोल जहां 6.00 रुपये प्रति लीटर महंगा हुआ है वहीं डीजल की कीमत भी 6.40 रुपये प्रति लीटर बढ़ गई है। बुधवार, 17 जून, को भी सरकारी तेल कंपनियों ने ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी किए। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत कल के 76.73 रुपये से बढ़कर 77.28 रुपये प्रति लीटर हो गई जो कि 55 पैसे प्रति लीटर महंगा है। इसी तरह डीजल की कीमत 75.19 रुपये से बढ़कर 75.79 रुपये प्रति लीटर हो गई जो कल के मुकाबले 60 पैसे महंगा है।

चीन से झड़प के बाद थल-जल-आसमान में तीनों सेनाएं सतर्क

नई दिल्ली। चीन की सीमा पर बढ़ते संघर्ष के मद्देनजर केंद्र सरकार ने सशस्त्र बलों को पूरी तरह से तैयार रहने के लिए कहा है। नौसेना ने युद्धपोत और जहाजों के साथ समुद्री सीमाओं पर अपनी पैनी नजर बना ली है। इंडियन आर्मी ने सभी जवानों की छुट्टियां कैंसल कर दी हैं। सूत्रों के अनुसार चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत ने तीनों सेनाओं को तालमेल बिठाने और जरूरत के मुताबिक प्राथमिकताएं तय करने के निर्देश दिए हैं। इसी के मद्देनजर नौसेना को चीन से मुकाबले के लिए मलक्का स्ट्रेट के पास, या फिर जरूरत के मुताबिक काउंटर के लिए इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में कहीं भी तैनाती को लेकर आगे बढ़ने के निर्देश दिए गए हैं। नेवी के साथ-साथ वायु सेना ने भी चीन सीमा पर गंभीर स्थिति को देखते हुए फाइटर प्लेन की तैनाती को और आगे बढ़ाया गया है। केंद्र सरकार ने किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तीनों सेनाओं को हथियारों की खरीद करने की छूट दी है। लद्दाख में चल रहे विवाद को पीछे छोड़ने के लिए भारत ने बातचीत की पेशकश की थी लेकिन सोमवार रात हुई हिंसा के बाद सरकार इसमें कोई ढिलाई नहीं बरतना चाहती है। यही वजह है कि चीन को लेकर सरकार ने नई रणनीति तैयार की है।

पुराने समय में जीवन मजबूत सामाजिक रिश्तों से बंधा था : उप राष्ट्रपति नायडू

नई दिल्ली। देश के उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने पुराने समय के सामाजिक जीवन के ताने-बाने की महत्ता पर बोलते हुए कहा कि आधुनिक शैली के जीवन में अलगाव की भावना और उदासीनता

के कारण अवसाद जन्म लेता है। उन्होंने कहा कि पुराने जमाने में एक दूसरे से अपनी बात कहने और परवाह करने का चलन था जो अब नहीं रहा। पुराने दिनों को याद कर अपने अनुभव साझा करते हुए नायडू ने कहा कि उस समय जीवन मजबूत सामाजिक रिश्तों से बंधा था और इसलिए अकेलेपन का कोई कारण नहीं था। उन्होंने कहा कि पुराने दिनों में सुख दुख साझा करने का चलन था। नायडू ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति और परिवार एक दूसरे के लिए ताकत और सहारे का स्रोत हुआ करता था। पुराने समय के जीवन और आज की जीवनशैली की तुलना करते हुए उप राष्ट्रपति ने कहा, आधुनिक जीवन में पृथकता, अकेलापन और अलगाव भरा हुआ है जिसके परिणाम स्वरूप अवसाद जन्म लेता है। आज के समय में पुराने दौर की बात नहीं रह गई है।

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मचारियों के वेतन को सुनिश्चित करें केंद्र और राज्य सरकारें

नई दिल्ली। कोरोना से लड़ाई लड़ रहे डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को बेहतर सुविधाएं देने की याचिका के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार 17 जून को पूछा कि क्या हाई कोर्ट इस मामले की निगरानी नहीं कर सकते? अदालत ने कहा कि केंद्र सरकार ने एक सर्कुलर जारी किया है कि डॉक्टरों का वेतन काटा नहीं जाएगा। चीफ सेक्रेट्री ये सुनिश्चित करेंगे, वरना कड़ी सजा मिलेगी। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा

कि डॉक्टरों को वेतन का भुगतान न करना एक आपराधिक अपराध माना जाएगा और सजा को आकर्षित करेगा। प्रत्येक राज्य के मुख्य सचिवों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि सभी डॉक्टरों को उनके वेतन का विधिवत भुगतान किया जाए। डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के वेतन भुगतान, उचित आवास और क्वारंटीन को लेकर शुक्रवार तक केंद्र सरकार आदेश जारी करे। केंद्र और राज्य सरकारें उनके वेतन को सुनिश्चित करें। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में चार हफ्ते बाद सुनवाई करेगा।

रक्षामंत्री राजनाथ ने सीडीएस, 3 सेना के प्रमुखों के साथ लद्दाख सीमा पर स्थिति की समीक्षा की

नई दिल्ली। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने साउथ ब्लॉक में बैठक कर लद्दाख सीमा पर स्थिति की समीक्षा की। इस बैठक में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और सैन्य मामलों के सचिव जनरल बिपिन रावत,थल सेनाध्यक्ष जनरल एम. एम. नरवणे, नौसेना अध्यक्ष एडमिरल करमबीर सिंह और वायु सेना अध्यक्ष एयर चीफ मार्शल आर.के.एस. भदौरिया ने भाग लिया। इस बैठक के बाद एक ट्वीट में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा संघर्ष में जवानों की शहादत पर शोक व्यक्त किया और कहा कि गलवान घाटी में हमारे जवानों की शहादत काफी परेशान करने वाला और दर्दनाक है। उन्होंने कहा कि हमारे सैनिकों ने सीमा पर तैनाती के दौरान अपने कर्तव्य पालन में अनुकरणीय साहस और वीरता का प्रदर्शन किया और भारतीय सेना की सर्वोच्च परंपराओं को कायम रखते हुए देश की सीमा की सुरक्षा के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह राष्ट्र उनकी बहादुरी और बलिदान को कभी नहीं भूलेगा।

चीनी सीमा पर भारतीय जवान की मिली थी शहादत की खबर, पत्नी को फोन कर कहा- मैं तो जिंदा हूं

सारण (बिहार)। भारत चीन सीमा पर गलवां घाटी में हुई हिंसक झड़प में मंगलवार 16 जून की शाम को बिहार के सारण जिले के जवान सुनील कुमार के शहीद होने की भी खबर मिली थी. इसकी जानकारी सेना ने ही परिवार और पुलिस अधिकारियों को दी थी. खबर मिलने के बाद दीघरा परसा गांव में उनके परिवार में मातम पसर गया, लेकिन बुधवार सुबह सुनील ने परिवारजनों को फोन करके सभी को चौंका दिया. सुनील ने पत्नी मेनका से बात की और कहा कि मैं ठीक हूं, चिंता मत करो. बुधवार 17 जून को सुनील का फोन आने के बाद मातम में डूबे परिवार को राहत मिली. सुनील ने फोन पर परिवार के सदस्यों से बात की. उन्होंने कहा कि मैं सुरक्षित हूं. दरअसल, मंगलवार शाम को पांच बजे सुनील कुमार की पत्नी मेनका राय को एक फोन आया था. उन्हें बताया गया था

कि उनके पति शहीद हो गए हैं. इसके बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया था.सुनील की पत्नी मेनका ने कहा कि मेरा सुहाग सुरक्षित है. गलत खबर आई थी. सुनील कुमार नाम के किसी और जवान की शहादत हुई थी. एक जैसा नाम होने की वजह से यह गलतफहमी हुई. मेरे पति ने मुझसे बात की है. उन्हें कुछ नहीं हुआ. मेरी जिंदगी लौट आई है. सुनील के सही सलामत होने की खबर मिलने के बाद गांव में पसरा मातम का सन्नाटा खुशी में तब्दील हो गया है. चीनी सैनिकों के साथ झड़प में जो जवान शहीद हुए हैं उनका नाम सुनील राय और पिता का नाम सुखदेव राय है. जबकि सारण के जवान सुनील के पिता का नाम भी सुखदेव राय ही है. जवान और उनके पिता का एक नाम होने की वजह से गलतफहमी हुई. सुनील के चाचा रविंद्र राय ने बताया कि उन्हें मंगलवार शाम पांच बजे सेना के अधिकारी ने सूचना दी थी कि सुनील कुमार शहीद हो गए हैं. हालांकि बुधवार सुबह उनकी सुनील से बात हुई.

चीन ने कैसे किया कब्जा, घायल जवानों की संख्या बताएं: सोनिया गांधी

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच विवाद बढ़ता ही जा रहा है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 जून को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। वहीं अब कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पीएम मोदी को कांग्रेस के पूर्ण सहयोग और साथ का विश्वास दिलाया है। इसके साथ ही सोनिया गांधी ने पीएम मोदी से कई सवाल भी किए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने एक वीडियो मैसेज जारी किया है। इस वीडियो संदेश के जरिए सोनिया गांधी ने शहीदों की शहादत को नमन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत-चीन तनाव की इस घड़ी में कांग्रेस के पूर्ण सहयोग और साथ का विश्वास दिलाया है।

किसानों की आर्थिक स्थिति को सुधारने हेतु अधिकारी उन्हें योजनाओं से जोड़ने के लिये प्रोत्साहित अधिकारी करें - चंबल कमिश्नर

मुरैना। किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारने, उनकी आय में दोगुना इजाफा हो, इसके लिये किसानों को उन्नत खेती अपनाने के साथ-साथ उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य विभाग की योजनाओं से जोड़ने के लिये प्रेरित किया जाये। उन्होंने कहा कि उद्यानिकी के क्षेत्र में किसानों की आर्थिक सम्पन्नता की अपार संभावनायें है। अगर वे उन्नत खेती के साथ-साथ अपने खेतों में उद्यानिकी रकवे में वृद्धि करके क्लस्टर फार्मिक एवं खाद्य प्रसंस्करण की संभावनाओं को बढ़ावा देंगे तो उनकी आय में दोगुना इजाफा हो सकता है। यह बात चंबल संभाग के कमिश्नर श्री रवीन्द्र कुमार मिश्रा ने बुधवार को अपने सभाकक्ष में आयोजित कृषि, उद्यानिकी पशुपालन, मत्स्य विभाग की संभागीय बैठक को संबोधित करते हुये कही। इस अवसर पर अपर आयुक्त श्री अशोक कुमार चौहान, संयुक्त आयुक्त विकास श्री राजेन्द्र सिंह सहित इन सभी विभागों के संयुक्त संचालक, जिलाधिकारियों सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे। चंबल कमिश्नर श्री रवीन्द्र कुमार मिश्रा ने किसान कल्याण तथा कृषि विकास की समीक्षा करते हुये कहा कि खरीफलक्ष्यों की पूर्ति के अनुरूप खाद्य बीज का भण्डारण 50 प्रतिशत हुआ है, इसे लक्ष्य के अनुरूप शत्प्रतिशत किया जाये। उन्होंने कहा कि किसानों को उन्नत और अच्छी किस्म का ही बीज वितरण किया जाये। किसी भी किसान को खाद्य, बीज, कीटनाशक दवाईयों को प्राप्त करने में कहीं कोई परेशानी नहीं होना चाहिये। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग के अधिकारियों और मैदानी अमले की किसानों तक मात्र 20 प्रतिशत ही पहुंच है। उन्होंने कहा कि विभाग के यह प्रयास रहे कि वे गांव-गांव जाकर किसानों को उन्नत आधुनिक कृषि को अपनाने की सलाह दे। हर आर.ई.ओ. की पहुंच किसानों तक रहे। उन्होंने कहा कि प्रायवेट कम्पनियों द्वारा बेची जा रही बीजोपचार औषधियों की जांच हो, इसके लिये कृषि

राजस्व अधिकारियों के दल तैनात किये जाये, जो इन औषधियों की क्वालिटी की जांच करें, ऐसी कीटनाशक दवायें जो सरकार से ऐपुअल नहीं है वे दवाईयां नहीं बिकना चाहिये। ऐसे उर्वरकों का वितरण हो, जिससे उत्पादन बढ़े। जांच की रिपोर्ट भी शीघ्र आना चाहिये। जांच बारिकी से हो, जांच गलत निकलने पर सीधे एफआई.आर. दर्ज की जाये, संबंधित संस्था का लायसेन्स भी निरस्त किया जाये। कृषि आदान बेचने वाली सभी कम्पनियां स्टेंडर्ड होना चाहिये। उद्यानिकी विभाग की समीक्षा करते हुये कमिश्नर ने कहा कि उद्यानिकी फसलों की खेती को बढ़ावा देकर कृषकों की आय में 2 से 5 गुनी वृद्धि की जा सकती है। उन्होंने किसानों को उन्नत पारंपरिक खेती के साथ फलों, मसाले, मिर्च, आयुर्वेदिक दवाईयों का उत्पादन कराये। जिससे उनकी आर्थिक एवं सामाजिक स्तर सुधर सके। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि फूड्स बेजीटेबिल में कई प्रकार की बैरायटियां है, इसी तरह ब्रोकल सेजना की पत्तियां आयुर्वेद दवाईयों की प्रोसेसिंग करालें तो इनका कई गुना वेल्यू बढ़ जाती है। उन्होंने बेजीटेबिल सहित फल-फूल की बिन्डोसोपिंग को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। कमिश्नर ने कहा कि माइक्रो इरीगेशन पद्धति के उपयोग को बढ़ावा देकर कम पानी से अधिक उत्पादन कर आय में वृद्धि की जा सकती है। उन्होंने उद्यानिकी के क्षेत्र में संरक्षित खेती, शोभायमान, पुष्प लीची, काजू, स्टावेरी जैसे केश, क्रोप पर ध्यान देने के साथ अन्य उद्यानिकी फसलों की खेती को बढ़ावा देकर उद्यानिकी को उद्योग के रूप में स्थापित करने पर भी जोर दिया। कमिश्नर ने कृषि से जुड़ी रोपड़ियों के विस्तार करने, इनमें सोलर लाइट, पानी की व्यवस्था के लिये स्टॉप डेम सहित अन्य समुचित व्यवस्थायें करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि भिण्ड जिले में पहली बार डच रोज की खेती कृषकों द्वारा पॉलीहाउस में प्रारंभ की है। उन्होंने पॉलीहाउस स्थापित करने वाले कृषकों की मदद करने पर भी जोर दिया। पशुपालन विभाग की समीक्षा करते हुये कमिश्नर ने कहा कि जरूरत मंद किसानों को उन्नत नस्ल के पशु उपलब्ध करायें, ताकि उन्हें कृषि के अतिरिक्त आमदनी प्राप्त हो। उन्होंने पशुओं के उचित उपचार उनके वेक्सीनेशन करने पर जोर दिया। कमिश्नर ने मौके पर कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन और मत्स्य विभाग के अधिकारियों से कहा कि आपसी समन्वय बनाकर प्रत्येक ब्लॉक के एक-एक गांव में अपनी समस्त विभागीय योजनाओं का क्रियान्वयन करके आइडियल मॉडल गांव बनाये। इन गांव में आयुक्त कृषि उत्पादन की समस्त एक्टीविटीज हो, पूरे कम्पोनेन्ट लागू हो। मत्स्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुये कमिश्नर ने कहा कि किसानों को उद्यानिकी, पशुपालन के साथ-साथ मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिये भी प्रेरित किया जाये। उन्होंने बड़ी-बड़ी माईन्स से बन रहे तालाबों को राजस्व दस्तावेजों में इन्द्राज कराने के लिये कलेक्टरों को पत्र लिखने के भी निर्देश दिये ताकि इन माइन्स के तालाबों में स्थानीय स्तर पर मत्स्य पालन किया जा सके। कमिश्नर ने ब्रोन मछली के पैदावार करने पर भी जोर दिया। समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में 727 ग्रामीण तालाबा और 20 सिंचाई के जलाशय है, इन सभी का जल क्षेत्र 6 हजार 392 हेक्टेयर क्षेत्र है। इनमें से 607 ग्रामीण तालाबों में और 20 सिंचाई तालाबों में जिनका जल क्षेत्र 6 हजार 267 है, में मत्स्य पालन किया जा रहा है। जिले में इस वर्ष 4 हजार 113 मैट्रिक टन मछली का उत्पादन लक्ष्य प्रस्तावित है। इसमें से अभी तक 657.57 मैट्रिक टन मछली का उत्पादन हुआ है। बैठक में उचित मूल्य दुकानों से प्रदाय किये जाने वाले खाद्यान्न की भी समीक्षा की गई।

खेत में धान की पौध देखने गए युवक को सांप ने काटा, युवक की मौत

मोहन मांझी

गोहद। गोहद थाना क्षेत्र अंतर्गत घटना श्यामपुरा की है। युवक अपने खेत पर खड़ी धान की पौध को देखने गया था। तभी खेत की मेड़ पर खड़े हुए घास को हटाने लगा। उसी समय घास के अंदर पहले से बैठा हुआ सांप जिसने युवक को डस लिया। युवक को सांप के काटने के पश्चात युवक के परिजन युवक को झाड़-फूंक करवाने केई स्थानों पर ले गए, परंतु युवक की जान नहीं बच सकी। घटना 16 जून 2020 की है राम सिंह गुर्जर पुत्र अमर सिंह गुर्जर उम्र 42 वर्ष निवासी श्यामपुरा थाना गोहद शाम 3:00 बजे के लगभग अपने खेत पर धान की पौध देखने गया था उसी समय खेत की मैढों पर लगी घास को रामसिंह उखाड़ने लगा तभी उसे नाग ने डसलिया। शाम के 7:00 बजे जब युवक के परिजनों को सांप के काटने की सूचना मिली तो युवक के परिजन युवक की झाड़ फूंक करवाने लगे और युवकों को कई स्थनों पर ले गए परंतु युवक की जान नहीं बच सकी। आज सुबह पुलिस को सूचना देकर मृत युवक के परिजन मृतक का सब लेकर सामुदायिक स्वास्थ केंद्र गोहद पहुंचे जहां पुलिस ने मृतक का सब परीक्षण करा कर सब परिजनों के सुपूर्द कर दिया है।

हर गॉव व मजरा को सेनेटाइज करना मेरा लक्ष्य : रविराज गर्ग

मोहन मांझी

गोहद विधानसभा में बसपा के सम्भावित उम्मीदवार रविराज गर्ग ने क्षेत्र में जनसम्पर्क शुरू कर दिया है। अगर बसपा उनको टिकट देती है तो सबसे कम उम्र 27 वर्ष के गोहद विधानसभा के प्रत्यासी के रूप में उभरकर आएंगे। बसपा के सम्भावित प्रत्यासी रवि गर्ग ने आज सिचाई विभाग के रेस्टहाउस पर पत्रकार वार्ता बुलाई जिसमे उन्होंने बताया कि मैने गोहद विधानसभा के सभी गांव व मजरा को घुमा है। विधानसभा के अधिकतर मजरों तक

पहुचने के लिए सड़क नही है लोग खेतो की पगडंडी पर चलकर अपने घरों तक पहुचते है। पानी की समस्या तो गोहद में कई वर्षों से बनी हुई है किसी भी जनप्रतिनिधि ने इस समस्या को हल करने का प्रयास नही किया। अगर हमारे जनप्रतिनिधि इस समस्या को गम्भीरता से हल करते तो गोहद में पानी की समस्या नही रहती। मेरा लक्ष्य हर गांव को सेनेटाइज करना है। अभी तक मेने करीब 60 गांव को सेनेटाइज किया है। अगर बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन जी मुझ पर विश्वास जताती है तो में गोहद की हर समस्या को खत्म कर दूंगा अगर मुझे टिकट नही भी मिलता है तो भी में अपने परिवार की तरह यहाँ की जनता की सेवा करूँगा। विधानसभा के गांव में सेनेटाइजर का कार्य मे स्वयं में व्यय पर कर रहा हु आज हमारी टीम ने महुरी पूरा, अंजनी पूरा, मनोहरपूरा, अलोरी पूरा, सेमर पूरा, चंदोखर, चक चंदोखर आदि गावों में सोडियम ह्यूपौ सल्फेट से सेनेटिजर किया है

पति पत्नी में हुआ विवाद पति ने लगाई फांसी पत्नी ने खाया जहरीला पदार्थ

विकास त्रिपाठी भिंड

भिण्ड। पति-पत्नी के आपसी विवाद में पति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पत्नी ने खाया जहर, जिला अस्पताल में भर्ती उससे पुलिस पूंछ तांछ कर रही है। देहात थाना अंतर्गत बुधवार दोपहर 3 बजे उद्योग विभाग के पीछे लहार चुंगी निवासी 30 वर्षीय रवि उर्फ सोनू नामदेव पुत्र अशोक नामदेव और उसकी पत्नी आरती में किसी बात को लेकर हुए मामूली विवाद में पति ने पंखे से रस्सी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। वहीं पत्नी ने यह नजारा देखा तो उसने भी जहरीला पदार्थ निगल लिया आनन-फानन में परिजन

पहुंचे हॉस्पिटल लेकर, जहां पत्नी का इलाज चल रहा है और पति के शव को डैड हाउस भिजवाया। पुलिस ने पत्नी के बयान के आधार पर मामला पंजीकृत कर लिया।

पूर्व विधायक ने की अस्थि कलश रथ यात्रा की बस रवाना

मोहन मांझी

गोहद- पूर्व विधायक रणवीर जाटव ने अस्थि कलश रथ यात्रा का शुभारंभ किया जिसमें गोहद से 50 यात्री शामिल हुए पिछले दिनों मार्च से हुए लॉकडाउन के दौरान कई लोग अपने पूर्वजों की अस्थियां विसर्जित करने के लिए नहीं जा सके थे जिसके लिए पूर्व विधायक रणवीर जाटव ने पहल करते हुए अस्थि कलश यात्रा का विचार किया और जिन जिन लोगों के यहां फेरे करने के लिए गए साथ ही उन्हें ज्ञात हुआ कि कई लोगों की अस्थियां विसर्जित नहीं हो सकी हैं केवल

औपचारिकता निभाने के लिए आसपास के नदी तालाबों में कुछ अस्थियां विसर्जित कर औपचारिकता निभाई है पूर्वजों की अस्तियां विसर्जित करने की सोच के साथ पूर्व विधायक ने अपने कार्यकर्ताओं को ग्रामीण क्षेत्रों में सूचित कर रजिस्ट्रेशन प्रारंभ कर दिए जिसके तहत अभी 50 रजिस्ट्रेशन हुए थे जिन सभी को अपने पूर्वजों की अस्थियां विसर्जित करने के लिए बस से रवाना किया साथ ही खाने पीने के लिए समुचित व्यवस्था भी की इस मौके पर पूर्व विधायक ने कहा कि यह रथयात्रा आगे भी जारी रहेगी जो लोग रजिस्ट्रेशन करा रहे हैं बस की सवारियां होते ही द्वारा से बस रवाना कर दी जाएगी जिससे सभी पूर्वजों की अस्थियां इलाहाबाद में विसर्जित हो सकेंगी

50 यात्री हुए शामिल आगामी दिनों में भी जारी रहेगी अस्थि कलश यात्रा.

यह यात्री हुए शामिल- बच्चू सिंह राम दुलारे योगेश अमर सिंह सोनम बेताल बच्चू राठौर रामकिशोर दिनेश राठौर रवि कांत भदौरिया अमित सिंह ऋषिकेश माया देवी वासुदेव प्रजापति महेश प्रजापति रामअवतार लालता प्रसाद हरेंद्र दीपक मंसाराम अतर सिंह मनोज रामनिवास राहुल शर्मा सौरव शर्मा अरविन्द पुष्पेंद्र सोनिया- राहुल सेंगर सुरेश भाग्यश्री कमलेश राहुल नरेश अमर सिंह अभिषेक बेताल सहित स्टाफ़ भी शामिल थे।

कलेक्टर राजनैतिक दलों की उपस्थिति में ई.व्ही.एम. गौडाउन से मशीने पॉलीटेक्निक कॉलेज पहुंची

मुरैना। विधानसभा उप निर्वाचन के लिये ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपैट मशीन का एफएलसी कार्य 22 जून से पॉलीटेक्निक कॉलेज मुरैना में किया जावेगा। इसके लिये नवीन ईव्हीएम गौडाउन से कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रियंका दास और मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईव्हीएम को पॉलीटेक्निक कॉलेज मुरैना में लाया गया। विदित है कि सुमावली, मुरैना, दिमनी एवं अम्बाह विधानसभा क्षेत्रों के लिये ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपैट मशीनों के एफएलसी का कार्य किया जाना है। जबकि विधानसभा क्षेत्र जौरा के लिये ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपैट मशीनों के एफएलसी का कार्य पूर्व में कराकर सुरक्षित रखी जा चुकी है।

प्रदेश में मिल रहा 25 लाख से अधिक श्रमिकों को रोजगार

मुरैना। प्रदेश में मनरेगा के अंतर्गत लगभग दो लाख कार्यों में 25 लाख 16 हजार 24 श्रमिक रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। गत वर्ष से यह संख्या लगभग दोगुनी है। गत वर्ष 14 जून को 12 लाख 51 हजार 680 श्रमिक मनरेगा में कार्यरत थे। प्रदेश में श्रम सिद्धि अभियान में 8 लाख 38 हजार 243 श्रमिकों को नए जॉब कार्ड प्रदान किए जा चुके हैं। गत वर्ष इसी अवधि में बनाये गये नवीन जॉबकार्डों की संख्या मात्र 1 लाख 84 हजार थी। मनरेगा के अंतर्गत विभिन्न संरचनाओं का निर्माण ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहा है। स्किल मेपिंग के लिए रोजगार सेतु का उपयोग किया जा रहा है। विभिन्न श्रेणियों में कार्य करने वाले श्रमिक सूचीबद्ध किए जा रहे हैं। अब तक 44 हजार 988 श्रमिक इससे जोड़े गए हैं। आत्म निर्भर भारत में 1 करोड़ 24 लाख 552 प्रवासी मजदूरों को खाद्यान दिया गया। विभिन्न बिल्डर्स, कांट्रेक्टर्स और कारखाना प्रबंधन से जानकारी एकत्र कर श्रमिकों के रोजगार के लिए श्रेणी वार संभावनाओं को देखा जा रहा है। संबल पोर्टल पर भी 3 करोड़ 24 लाख लोग पंजीबद्ध हो गए हैं। कोरोना संक्रमण के दौर में श्रमिकों की आर्थिक समस्याओं को दूर करने में इन प्रयासों का विशेष महत्व है। विशेष रूप से प्रवासी श्रमिकों को मनरेगा कार्यों से जोड़कर आर्थिक सहारा दिया गया है।

अधिकारी योजनाओं में गति लाये- कलेक्टर

लक्ष्य के अनुरूप रोजगार सेतु पोर्टल पर पंजीकृत प्रवासी श्रमिकों का पंजीयन न कराने पर उद्योग केन्द्र के जी.एम. को कारण बताओं नोटिस

मुरैना। कलेक्टर श्रीमती प्रियंकादास ने कहा कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं में अधिकारी गति लायें, जिससे पंजीकृत प्रवासी श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया जा सके। इस कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा रोजगार सेतु अभियान चलाया गया है। इस अभियान में रोजगार सेतु पोर्टल के माध्यम से पंजीकृत प्रवासी श्रमिकों को उनकी योग्यता के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराया जायेगा। जिले में अभी तक 47747 श्रमिकों का पंजीयन किया जा चुका है। जिसमें से रोजगार सेतु पोर्टल पर विभागों को पिछली टीएल बैठक में लक्ष्य दिये गये थे जिसमें जिला उद्योग के महाप्रबंधक श्री अनूप चौबे को विभिन्न फैक्ट्रीयों में कार्यरत श्रमिकों को पंजीयन कराने के लिये 200 का लक्ष्य दिया गया था जिसमें मात्र 95 पंजीयन कराये गये थे। इस पर श्रीमती दास ने जीएमडीआईसी को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश एवं दो दिवस में प्राप्त लक्ष्य को

पूर्ण पंजीयन करने के निर्देश दिये। ये निर्देश उन्होंने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल बैठक के दौरान दिये। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री तरूण भटनागर, अपर कलेक्टर श्री एस के मिश्रा, समस्त एसडीएम, समस्त जिलाधिकारी, नगरीय निकाय, जनपद सीईओ एवं समस्त तहसीलदार उपस्थित थे। कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास ने कहा कि प्रवासी श्रमिकों के मनरेगा जॉब कार्ड जनपद, स्थानीय निकायवार बनाये गये है। जिनमें जॉब कार्ड बनवाने हेतु लंबित प्रवासी श्रमिकों की संख्या 6 हजार 617 है, जॉब कार्ड धारक प्रवासी श्रमिकों की संख्या 1 हजार 403 है जबकि नरेगा के अन्तर्गत नियोजित प्रवासी श्रमिकों की संख्या 639 है। यह संख्या बहुत ही कम है, इसे और आगे बढाया जाना है। कलेक्टर ने कहा कि कई विभाग मजदूरों की यूजर आईडी आज दिनांक तक नहीं बनवाये है। वे अधिकारी डीआईओएनआईसी से चर्चा कर यूजर आईडी बनवा लें।

बाढ़ या अतिवृष्टि से निपटने के लिये इन नंबरों पर करें संपर्क - कलेक्टर

मुरैना। कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास ने नगरीय एवं ग्रामीण लोंगो से कहा है कि बाढ़ या अतिवृष्टि से निपटने के लिये इन अधिकारियों से दूरभाष पर अपनी समस्या से अवगत करा सकते है। जानकारी के अनुसार अधीक्षक भू-अभिलेख एवं जिला कंट्रोल रूम का दूरभाष नंबर 07532-222557 है। इसी प्रकार एसडीएम अम्बाह 9425338521, एसडीएम मुरैना 9575631917, एसडीएम जौरा 9826248644, एसडीएम सबलगढ़ 8120861501, तहसीलदार पोरसा 8710430010, तहसीलदार अम्बाह 9993399145, तहसीलदार मुरैना 7691987100, तहसीलदार बानमौर 7970226896, तहसीलदार जौरा 9827275190, तहसीलदार कैलारस 6263460090, तहसीलदार सबलगढ़ 7581055970, होमगार्ड कमांडंड 9425869141, अधीक्षण यंत्री चंबल 9425937894, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन 9425340691, कोटा बैराज राजस्थान 7566755677। तहसील मुरैना के कंट्रोल रूम नंबर 9406575831, 9669417685 और 7521154752, जौरा तहसील का कंट्रॉल रूम नंबर 9981747384, 7225892121, अम्बाह तहसील कंट्रोल रूम 8982507670, 07538256348, तहसील बानमौर कंट्रॉल रूम 9425119227, तहसील पोरसा कंट्रॉल रूम नंबर 8223099887 और तहसील कैलारस का कंट्रॉल रूम नंबर 6263464490 पर सूचित कर आपदा से निजात पा सकते है।

प्रधानमंत्री मोदी के साथ मुख्यमंत्री चौहान ने दी सैन्य शहीदों को श्रद्धांजलि

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ आज वीडियो कांफ्रेंस प्रारंभ होने के पूर्व शहीद सैन्य अफसरों और जवानों को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्र, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, पुलिस महानिदेशक श्री विवेक जौहरी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ वी.सी. में उपस्थित मुख्यमंत्रियों ने भी अपने-अपने वी.सी. कक्ष में खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि पूर्वी लद्दाख में कल एल.ओ.सी पर जो हुआ, उससे प्रत्येक नागरिक आहत है। जिन सैन्य अधिकारियों और जवानों ने सर्वोच्च बलिदान दिया, उन्हें नमन कर श्रद्धांजलि देते हैं। प्रधानमंत्री

श्री मोदी ने कहा कि भारत अपनी अखंडता और संप्रभुता को सर्वोच्च मानता है। भारत सदैव शांति चाहता है, लेकिन कोई भारत की अखंडता और संप्रभुता से खिलवाड़ करता है तो भारत यथोचित जवाब देने में भी सक्षम है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि त्याग हमारे राष्ट्रीय चरित्र का हिस्सा है। वीरता हमारी पहचान है। मतभेद कभी विवाद न बने, यह हमारा प्रयास रहा है। भारत हमेशा पड़ोसियों के साथ मिलकर कार्य करने में विश्वास रखता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि मैं देश को भरोसा दिलाना चाहता हूँ एकता और संप्रभुता को सर्वोच्च महत्व दिया जाएगा। पूरा देश शहीद सैनिक परिवारों के साथ है। हम एक-एक इंच भूमि और अपने स्वाभिमान की रक्षा करेंगे।

मानसून की दस्तक, कल से झमाझम के आसार

भोपाल। प्रदेश के कई संभागों के बाद अब मानसून ने भोपाल जिले में भी दस्तक दे दी है। मौसम केंद्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक एके शुक्ला ने बताया कि मानसून भोपाल की दक्षिणी सीमा में प्रवेश कर गया है। मानसून रायसेन जिले को कवर करने के बाद भोपाल की सीमा में पहुंचा। मानसून की दस्तक के बाद शहर में करीब 20 मिनट में 4.8 मिमी पानी गिरा। इससे मौसम में ठंडक घुल गई। मौसम केंद्र के पूर्वानुमान के मुताबिक राजधानी में आज तेज हवा और गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। गुरुवार से शहर में अच्छी बारिश होने की उम्मीद है। वहीं बालाघाट, अनूपपुर, शहडोल, डिंडोरी और उमरिया जिलों में भारी बारिश होने की संभावना जताई है। मानसून के सक्रिय होने के कारण ईस्ट मध्यप्रदेश में बारिश शुरू हो गई है। प्रदेश में बीते 24 घंटे में पचमढ़ी में सबसे ज्यादा 41 मिमी बारिश दर्ज की गई। छिंदवाड़ा में 32.2 मिमी, नरसिंहपुर में 32 मिमी, सिवनी में 30 मिमी, नौगांव में 25 मिमी और रायसेन में 19.2 मिमी बारिश हुई। अगले 24 घंटे में शहडोल, जबलपुर, रीवा और सागर संभागों के अधिकांश जगहों पर, होशंगाबाद, उज्जैन, इंदौर और भोपाल संभाग के कुछ स्थानों और ग्वालियर के साथ चंबल संभाग में कहीं-कहीं गरज के साथ बारिश की संभावना है।

थाना नजीराबाद पुलिस ने 6-7 माह से फरार आरोपियो को धर दबोचा

भोपाल। आज मंगलवार को वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देशन में थाना नजीराबाद के अप0 क्र0 332/19 धारा 294,323,307, 34 भादवि मे थाना प्रभारी उनि भरतप्रतापसिंह द्वारा पुलिस सुत्रो से एकत्रित जानकारी से आरोपियो के निवास स्थानो पर लगातार दबिश देने हेतु त्वरित एक टीम गठित कर आरोपियो की पतारसी एवं गिरप्तारी हेतु मुखबिर द्वारा बताये हुलिये एवं नाम के आधार पर प्रकरण के चारो आरोपियो को पकडने मे सफलता प्राप्त की। घटना का विवरण - आरोपीगण- 1 राधेष्याम कुर्मी 2 मोतीलाल कुर्मी 3 जगदीश कुर्मी एवं 4 प्रकाश कुर्मी निवासी ग्राम भुजपुरा कलां के द्वारा करीबन 06-07 माह पहले ग्राम भुजपुराकलां के अषोक नामदेव को जमीनी विवाद पर से मिटटी का तेल डालकर जिंदा जलाने की कोषीष की गई थी।

मप्र में निवेश के लिये जापानी कम्पनियों ने दिखाई रूचि

वेबिनार में प्रदेश के औद्योगिक परिवेश पर प्रेजेन्टेशन

भोपाल। जापानी कम्पनियों ने मध्यप्रदेश में निवेश में रूचि दिखाई है। जापान स्थित भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित वेबिनार में मध्यप्रदेश के प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति और निवेश संवर्धन श्री संजय शुक्ला ने मध्यप्रदेश के औद्योगिक परिवेश और निवेश के लिये बेहतर वातावरण एवं अनुकूल परिस्थितियों पर प्रेजेन्टेशन दिया। वेबिनार में 70 से अधिक जापानी फर्म सहित 95 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने प्रदेश की अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र एवं

औद्योगिक परिवेश के संबंध में बताया। उन्होंने राज्य के प्रमुख शक्ति क्षेत्रों (स्ट्रेन्थ एरियाज) की जानकारी दी और बताया कि देश के मध्य में स्थित होने के कारण जापानी कम्पनियों को अपनी अधोसंरचना स्थापित करने में कैसे मदद मिलेगी। श्री शुक्ला ने बताया कि मध्यप्रदेश में निवेश के लिये आने वाली जापानी कम्पनियों की सभी आवश्यकताओं को पूरा किया जायेगा। वेबिनार के दौरान जापानी फर्मों ने प्रदेश में मौजूद विभिन्न संभावनाओं में गहरी रूचि दिखाई। जापानी फर्मों ने विशेष रूप से राज्य की औद्योगिक संवर्धन नीति, विश्व स्तर के औद्योगिक बुनियादी ढांचे के साथ-साथ हाल ही के श्रम सुधारों सहित ईज-ऑफ-डुइंग बिजनेस के बारे में उत्साह दिखाया।

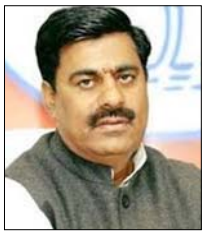

हिम्मत है, तो राहुल गांधी और कमलनाथ पर एफआईआर करायें दिग्विजयः रामेश्वर शर्मा

भोपाल। दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के वीडियो में काटछांट कर उसे ट्विटर पर डाला और फिर वापस ले लिया। इसके लिए हमने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। दिग्विजय सिंह को अपनी इस करतूत के लिए माफी मांगनी चाहिए थी, लेकिन वे एक झूठी वीडियो को लेकर एफआईआर कराने पहुंच गए। दिग्विजय सिंह में अगर हिम्मत है, तो उन्हें राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर कराना चाहिए, जिन्होंने 10 दिनों में कर्जमाफी का झूठा वादा किया था। एफआईआर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की कराएं, जो बेटियों के कन्यादान का पैसा, शिक्षित बेरोजगार युवाओं का पैसा खा गए और एक भी वादा पूरा नहीं किया। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष विधायक रामेश्वर शर्मा ने बुधवार को मीडिया से बातचीत के दौरान कही। रामेश्वर शर्मा ने दिग्विजय सिंह को बधाई देते हुंए कहा कि आज वह थाने पहुंच गए हैं और कल जेल भी पहुंच जाएंगे। श्री शर्मा ने कहा कि दिग्विजय सिंह को राजा होने का मुगालता छोड़ देना

चाहिए, क्योंकि अब वह जनता की अदालत में हैं और जनता की अदालत में बोला गया झूठ अपराध की श्रेणी में आता है। श्री शर्मा ने कहा कि यदि एफआईआर होना है तो कांग्रेस के नेता दिग्विजय सिंह और कमलनाथ पर होना चाहिए। कमलनाथ सरकार की वादाखिलाफी पर एफआईआर होना चाहिए। उन आरोपों पर एफआईआर होना चाहिए, जो तत्कालीन कमलनाथ सरकार के मंत्री उमंग सिंघार ने दिग्विजयसिंह पर लगाए थे। खनिज माफिया, शराब माफिया को संरक्षण देने के इन आरोपों की सीबीआई जांच होनी चाहिए। राज्यसभा चुनाव में एक दलित के अधिकार छीनकर डॉ. अंबेडकर के सपनों को साकार करने का झूठा दंभ भरने पर एफआईआर होना चाहिए। श्री शर्मा ने कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह से निवेदन करते हुए कहा कि आप अपना व्यवहार सुधारिए क्योंकि यदि आप खिन्नता और बदतमीजी का व्यवहार करेंगे तो आपके साथ भी ऐसा ही व्यवहार होगा। उन्होंने कहा कि दिग्विजयसिंह जी को अपने पापों को छिपाने के लिए थाने जाकर झूठी शिकायत करने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि जनता से माफी मांगने की जरूरत है। इसलिए दिग्विजय सिंह प्रदेश के किसानों से, शिक्षित बेरोजगारों से, अपहरण और बलात्कार की शिकार अबोध बेटियों से, उन माता-पिता से माफी मांगें, जिनके मासूम बच्चों का कमलनाथ सरकार के समय अपहरण कर हत्या कर दी गई।

रोजगार सेतु पोर्टल के माध्यम से 1933 प्रवासी श्रमिकों को रोजगार मिला

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रदेश में प्रवासी श्रमिकों को उनके कौशल एवं दक्षता के अनुसार रोजगार दिलाए जाने के लिए प्रारंभ किए गए रोजगार सेतु पोर्टल के सार्थक परिणाम सामने आने लगे हैं। पोर्टल के माध्यम से बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिकों को उनके कौशल के अनुरूप रोजगार प्राप्त हो रहा है। पोर्टल पर अभी तक एक हजार 933 प्रवासी श्रमिकों को कुशल श्रमिक के रूप में रोजगार प्राप्त हुआ है तथा 3 हजार 912 श्रमिकों को कुशल रोजगार दिए जाना प्रक्रियाधीन है। अकुशल प्रवासी श्रमिकों में 2 लाख 71 हजार 706 को जॉब कार्ड उपलब्ध कराया गया है तथा 74 हजार 839 प्रवासी श्रमिकों को मनरेगा के अंतर्गत कार्य दिलाया गया है। रोजगार सेतु पोर्टल नियोक्ताओं के लिए भी उनकी आवश्यकता के अनुरूप कुशल/अकुशल श्रमिक आसानी से प्राप्त करने का प्रभावी मंच है। इस पोर्टल पर अभी तक 13 हजार 155 नियोक्ताओं ने अपना पंजीयन कराया है। इनमें 3 हजार 380 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग, 405 वृहद उद्योग, 4 हजार 604 ठेकेदार, 167 बिल्डर्स, 292 प्लेसमेंट एजेंसी तथा 1225 अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान हैं।

पुलिस की नई गाइडलाइन

अब वीडियो कॉल से दर्ज होंगे मामले

भोपाल। कोरोना आपदा को लेकर मध्य प्रदेश पुलिस ने नई गाइडलाइन जारी की है। इस गाइडलाइन के तहत अब थाने में आने वाले व्यक्ति पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की गई है, ताकि पुलिसकर्मी बाहरी लोगों से सीधे संपर्क में न आ सकें। नई गाइडलाइन के तहत किसी भी व्यक्ति के बयान वीडियो कॉल, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए लिए जाएंगे। इसके अलावा थाने में आने वाली शिकायत भी सिटीजन पोर्टल के जरिए ली जाएगी। इतना ही नहीं पुलिस के तमाम कागज़ी कामकाज, चाहे वे किसी केस की विवेचना से क्यों न जुड़े हो, ऐसे सभी दस्तावेजों को ईमेल और व्हाट्सएप के साथ दूसरे ऐप के जरिए लिए जाएंगे। कुल मिलाकर पुलिस के सभी काम ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए करने की कोशिश की जा रही है। इस नई व्यवस्था को लागू करने के लिए पुलिस मुख्यालय की स्पेशल ब्रांच ने प्रदेश की सभी पुलिस इकाइयों को पत्र लिखा है। इस पत्र के साथ नई गाइडलाइन को भी दिया गया है। इस गाइडलाइन का पालन करने

स्पेशल ब्रांच ने जारी की गाइडलाइन

के लिए सभी पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं। इस गाइडलाइन के तहत अब हर एक पुलिसकर्मी को ऑनलाइन और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर काम करना अनिवार्य होगा। इसके लिए तमाम व्यवस्थाएं दी गई हैं, जिसके तहत थाने के साथ ऑफिस में काम करने वाले पुलिसकर्मी सीधे किसी व्यक्ति से संपर्क नहीं आ कर अपने काम को अंजाम देंगे। कोरोना आपदा की मौजूदा स्थिति के मद्देनजर पुलिस मुख्यालय की स्पेशल ब्रांच ने इस गाइडलाइन को तैयार किया है। पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के पैनल ने तमाम बिंदुओं के अध्ययन के बाद 62 पन्नों की गाइडलाइन तैयार की है। दरअसल, लॉकडाउन के दौरान पुलिस का पूरा ध्यान कोरोना आपदा की तमाम प्रोसेस और व्यवस्थाओं पर था। लेकिन अब बाजार और तमाम व्यवस्थाओं को खोले जाने की वजह से क्राइम रेट भी बढने लगा है। इसके मद्देनजर ही पुलिस ने गाइडलाइन तैयार की है। पुलिस मुख्यालय की स्पेशल ब्रांच ने प्रदेश की सभी पुलिस इकाई, सभी पुलिस अधीक्षक, सभी सेनानी और सभी रेल पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर कहा है कि अब इस गाइडलाइन के तहत काम करना है।

कोरोनाः इंदौर में मिले 44 नए पॉजिटिव

भोपाल। प्रदेश के इंदौर शहर में एक बार फिर पॉजिटिव मरीजों की संख्या बढ़ गई। लगातार चार मौतों का रहस्य मौत के आंकड़े जारी करने को लेकर स्वास्थ्य विभाग कठघरे में है। बीते चार दिनों से लगातार चार-चार मौतों की पुष्टि की जा रही है। यह जानकारी भी अब नहीं दी जा रही है कि इनकी मौत कब हुई थी। देर रात जारी बुलेटिन के अनुसार 1687 सैंपलों की जांच हुई जिसमें से 44 पॉजिटिव मरीज मिले। यानी संक्रमण दर 2.6 फीसद रही। इसके अलावा 4 मौत की पुष्टि के साथ मौतों का आंकड़ा ड्ड182 तक पहुंच चुका है। रिपोर्ट के मुताबिक अब शहर में कुल संक्रमितों की संख्या 4134 पहुंच चुकी है, जबकि एक्टिव केस 904 हैं। इनमें से 1631 सैंपल निगेटिव मिले हैं जबकि 12 रिपीट सैंपल हैं। रिपोर्ट के अनुसार मंगलवार को एक भी सैंपल रिजेक्ट नहीं हुआ, जबकि सोमवार तक बड़ी संख्या में सैंपल रिजेक्ट होने की बात सामने आ रही थी। उधर भोपाल में कानून व्यवस्था कायम रखने भिंड से आए एसएएफ के सात जवानों की रिपोर्ट मंगलवार को पॉजिटिव आई है। यह अशोका गार्डन क्षेत्र में अप्सरा टॉकिज के पास स्थित गेस्ट हाउस में रुके हुए थे। इसके अलावा राजधानी के पॉश इलाके अहमदाबाद पैलेस में रहने वाले तीन लोग भी संक्रमित हो गए हैं। पंचशील नगर में फिर से छह पॉजिटिव मिले हैं। इन्हें श्रमोदय विद्यालय में क्वारंटाइन किया गया था। बंगरसिया के कवर्ड कैंपस में भी एक कोरोना पॉजिटिव मरीज मिला है। इस कैंपस में अब तक चार पॉजिटिव मरीज मिल चुके हैं। वहीं 25वीं बटालियन का भी एक जवान कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। इस तरह शहर में मंगलवार को 47 पॉजिटिव मिले।

सातों दिन चलेगी हैदराबाद-भोपाल फ्लाइट

तीन साल में दो गुनी हुई यात्रियों की संख्या

भोपाल। राजधानी भोपाल से हैदराबाद की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए यह अच्छी खबर है कि सप्ताह में तीन दिन के स्थान पर अब इस रूट पर सातों दिन उन्हें फ्लाइट उपलब्ध हो सकेगी। निजी क्षेत्र की अग्रणी विमानन कम्पनी इंडिगो से भोपाल व हैदराबाद के बीच अब प्रतिदिन उड़ान चलाने का निर्णय लिया है। लाकडाउन में मिली राहत के पश्चात 25 मई के बाद वर्तमान में सप्ताह में तीन दिन ही भोपाल हैदराबाद के लिए यह सुविधा है हालांकि उसे भोपाल से अपेक्षित यात्री नहीं मिल रहे हैं और मंगलवार को तो उसे भारी निराशा हाथ लगी जब केवल 16 यात्री ही हैदराबाद के लिए सवाना हुए जबकि भोपाल आने वाले यात्रियों की संख्या भी 65 रही। इसी तरह अगर

11 जून की बात की जाए तो भोपाल आने वाले यात्री 72 और जाने वाले केवल 26 पैसेंजर ही थे जबकि इस हवाई रूट पर इंडिगो 119 क्षमता वाला जहाज चला रही है लेकिन उसे भरोसा है कि आगामी दिनों उसे अच्छी संख्या में यात्री मिलेंगे। यहां बता दें कि इंडिगो एवं एयर इंडिया ने एक जुलाई से भोपाल से दिल्ली, मुबई एवं जयपुर के लिए भी उड़ाने शुरू करने का निर्णय लिया है। इधर एयरपोर्ट अर्थारिटी के स्थानीय अधिकारी इस बात से खुश हैं कि बीते तीन साल में विभिन्न नगरों की यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में अपेक्षा से अधिक इजाफा हुआ है। अगर बात की जाए वर्ष 2017 से 2020 तक की तो यात्रियों की ग्रोथ 84 प्रतिशत रही जबकि बीते एक साल में 64 प्रतिशत। एयरपोर्ट के डायरेक्टर ने सोशल मीडिया पर जो जानकारी साझा की है, उसके अनुसार भोपाल से आने व जाने वाले यात्रियों की संख्या में लागतार वृद्धि हो रही है। अगर 25 मार्च को लागू हुए लाकडाउन एवं 25 मई से फिर से शुरू हुए हवाई यातायात के समय को छोड़ दिया जाए तो मुबई, दिल्ली, बंगलूर, हैदराबाद, चैन्नई, जयपुर, उदयपुर, अहमदाबाद के लिए यात्रियों की संया में अपेक्षा से अधिक इजाफा हुआ है। एयरपोर्ट डायरेक्टर अनिल विक्रम के अनुसार आगामी दिनों में जब इन सभी शहरों के लिए फिर से उड़ाने शुरू होंगी, तब यह ग्रोथ और भी बढ़ेगा। उन्होंने संकेत दिए हैं कि यात्रियों की लगातार बढ़ रही संख्या को देखते हुए गो-एयरवेज सहित कई अन्य निजी कपनियां भी मुबई, दिल्ली व दक्षिण तथा उत्तर भारत जिसमें प्रयागराज, कानपुर, लानऊ आदि शामिल हैं, के लिए भोपाल से उड़ाने शुरू होने की संभावना है।

संपादकीय

चीन का धोखा

लद्दाख के गलवान घाटी में चीनी सेना के साथ हिंसक झड़प में भारत के 20 जवान शहीद और कई घायल हो गए हैं। इस झड़प में चीन की सेना को भी भारी नुकसान पहुंचा है और उसके करीब 40 सैनिक हताहत हुए हैं। भारत सैनिकों की हत्या करने वाले चीन ने उल्टे भारतीय सैनिकों पर आरोप लगाना शुरू कर दिया है। चीनी विदेश मंत्रालय ने बयान जारी करके कहा है कि भारत सीमा पर अपने सैनिकों पर नियंत्रण रखे। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजिन ने कहा, भारतीय सैनिकों की कार्रवाई की वजह से दोनों ही पक्षों के बीच गंभीर शारीरिक संघर्ष हुआ। चीन ने भारतीय पक्ष से इस पर आपत्ति जताई है। हमने भारत से अनुरोध किया है कि वह अपने सैनिकों पर सीमा को पार करने पर कड़ाई से नियंत्रण रखे या एकतरफा कार्रवाई करने से बचे जो सीमा की स्थिति को और ज्यादा जटिल बना सकता है। चीनी सीमा पर हुई झड़प पर भारत ने कहा है कि भारत का जिम्मेदार रवैया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत सारे काम एलएसी में अपनी सीमा के अंदर ही करता है। चीन से भी ऐसी उम्मीद रखते हैं। हमें उम्मीद थी कि सब कुछ अच्छे से होगा। लेकिन चीन द्वारा स्थिति बदलने की एकतरफा कोशिश करने पर हिंसक झड़प हो गई। इसमें दोनों पक्षों के लोगों की मौत हुई है, इससे बचा जा सकता था। विवाद को सुलझाने के लिए बातचीत जारी है। जो भी हो, चीन की कथनी और करनी में अंतर का लंबा इतिहास रहा है। चाहे साल 1962 का युद्ध हो या फिर उसके बाद का लगभग छह दशक का लंबा समय। इस दौरान वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को लेकर चीन हमेशा अपनी भूमिका में बदलाव करता रहा है। वर्ष 1962 में युद्ध से पहले चीन ने लगातार बातचीत के जरिये सीमा विवाद सुलझाने की बात करता रहा। मगर नवंबर में अचानक बिना चेतावनी के हमला बोल दिया। इस हमले में चीन ने भारतीय भूभाग पर अपने दावे से भी ज्यादा हिस्से पर कब्जा कर लिया। उसके बाद एलएसी पर विवाद बनाए रखने के लिए लगातार अनर्गल बातें करता रहा। जहां तक इस युद्ध की बात है तो 1913 में ही भारत और तिब्बत के बीच सीमा को ले कर सहमति बनी थी। इस सहमति के आधार पर तैयार मैकमोहन लाइन पर दोनों देशों ने सहमति दी थी। हालांकि भारत की आजादी के बाद चीन ने पहले तिब्बत पर कब्जा किया। फिर भारतीय भूभाग पर दावा जताना शुरू किया। हमले से पहले चीन ने जिन इलाकों पर अपना दावा बताया, लद्दाख क्षेत्र में उससे भी अधिक भूभाग पर कब्जा कर लिया। डोकलाम जो भूटान का हिस्सा है, वहां चीन ने सड़क बनाने की कोशिश की। समझौते के मुताबिक चीन को इस क्षेत्र में सड़क बनाने का हक नही था। वह महज भारत पर सामरिक बढ़त हासिल करने के लिए ऐसा कर रहा था। हालांकि भारत के हस्तक्षेप और कड़े रुख के बाद चीन को अपने कदम पीछे खींचने पड़े। चीन दूसरे देशों की संप्रभुता का सम्मान करने की बात करता रहा है। मगर उसे भारत द्वारा अपने हिस्से में एलएसी तक रोड सहित अन्य निर्माण कार्यों पर आपत्ति है। जबकि चीन एलएसी की दूसरी तरह पहले ही हर तरह के निर्माण कार्य कर चुका है। सीमा विवाद पर चीन हमेशा अलग-अलग हिस्सों पर अपना दावा जताता रहा है। इस बार भारत ने विवादित हिस्सों पर उसके दावों को जब आधिकारिक तौर पर दर्ज कराने की मांग की तो चीन मुकर गया। गलवां घाटी में सोमवार को भी दोनों देशों में सैन्य स्तर पर बातचीत हुई थी। इस बातचीत में भी यह पहल जारी रखने पर सहमति बनी थी। इसके बाद अचानक चीन ने भारतीय जवानों पर हमला बोला। चीन आधिकारिक तौर पर परमाणु अप्रसार नीति का हिमायती रहा है। मगर भारत को घेरने के लिए उसी ने पाकिस्तान को परमाणु संपन्न देश बनाया। चीन दूसरे देशों के मामलों में दखल न देने का दावा करता रहा है। मगर हाल के कुछ वर्षों में उसने सिर्फ भारत को घेरने के लिए पड़ोसी देशों को उकसाया। नेपाल चीन की शह पर भारतीय भूभाग पर दावा जता रहा है। मालदीव, श्रीलंका, बांग्लादेश को भी भारत के खिलाफ खड़ा करने के लिए चीन लगातार कोशिशें कर रहा है। पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई हिंसक झड़प पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की निगाहें टिकी हुई हैं। संयुक्त राष्ट्र के बाद अब अमेरिका ने शांतिपूर्ण समाधान की उम्मीद जताई है। मगर सवाल यह है कि भारत तो शुरू से समाधान के पक्ष में है, मगर चीन की जिस तरह की नीति है, वह समाधान की किरण को कोसों दूर रखे हैं और ताजा विवाद के बाद हालात जल्द सुधरेंगे, ऐसा कह पाना लगभग असंभव है।

अब कोरोना से जंग अनलॉक के संग

मानव इतिहास की ज्ञात और अज्ञात महामारियों से लेकर विकसित और विकासशील मानव सभ्यता के दौर में कोरोना महामारी ने तमाम दुनिया को बड़ी नहीं बहुत बड़ी चुनौती दी। वजन में 1 ग्राम से भी बेहद हल्के और न दिखने वाले इस महा वायरस ने वो सनसनी फैलाई जो दोनों विश्वयुध्द के दौरान भी नहीं दिखी। स्वास्थ्य संबंधी दुनियाभर के जानकार, विशेषज्ञ यहाँ तक कि शोधकर्ता भी वुहान के इस वायरस के दुष्परिणामों से बेखबर रहे और जब एकाएक सामना हुआ तो समझ आया कि बात बहुत आगे तक निकल चुकी है। दवा को लेकर कोई ठोस जानकारी किसी के पास नहीं है। कोई कहता है कि सनकी इंसानी फितरत की देन यह वायरस जिस्मानी नहीं बल्कि ईजादी है जिसको इंसान ने बना तो लिया पर इलाज नहींढूंढ़ा। सच और झूठ के बीच इस वायरस ने दुनिया में जब अपना रंग दिखाना शुरू किया तो हर कहीं सिवाय दहशत, भगदड़ और मौत के मंजर के कुछ और दिखा ही नहीं। बड़ी-बड़ी हुकूमतें और हुक्मरान तक घबरा गए। हर कहीं आनन-फानन में लॉकडाउन का फैसला लिया गया जिसने देखते ही देखते दुनिया भर की इकॉनामी को चौपट कर दिया और करोड़ों लोगों का रोजी, रोजगार छिन गया जिससे वो सड़कों पर आ गए। डरी, सहमीं इंसानियत के लिए बस यही सवाल था, है और रहेगा कि सारे फरमानों और हिदायतों के बाद भी कोरोना का कहर बजाए थमने के बढ़ता क्यूँ रहा? सवाल वाजिब भी है लेकिन उसका अनकहा जवाब भी समझना और मानना होगा क्योंकि कोरोना के कहर से निपटने के लिए तुरंत वक्त कहाँ था? कोरोना के बीच जीने के और मौत को मात देने के लिए जरूरी तैयारियों की खातिर बिना शोर, शराबे के वक्त की जरूरत थी। लॉकडाउन के लंबे दौर में भारत ही नहीं तमाम दुनिया को काफी कुछ नसीहत के साथ सेहत के जरूरी इंतजामों का लॉकडाउन से ही मौका मिला जिसके बाद सब कुछ फिर पहले जैसा लेकिन धीरे-धीरे करना ही था। लॉकडाउन से स्वास्थ्य संबंधी इंतजामों के लिए न केवल वक्त मिला बल्कि तेजी से फैलाव को रोकने में काफी कुछ मदद भी मिली। लेकिन लाइलाज कोरोना से कोई कब तक घरों में दुबका रहेगा साथ ही बिना रोजगार, कारोबार शुरू किए दुनिया और जिन्दगी कैसे चलेगी?इसका जवाब भी उसी वुहान से मिला जिसकी औलाद कोरोना

है। वहाँ 72 दिन के बाद लॉकडाउन खत्म किया गया। भारत में 25 मार्च से लागू लॉकडाउन 8 जून को 75 दिन पूरे करेगा और इसी दिन से धीरे-धीरे कई रियायतें लागू की जाएंगी क्योंकि केन्द्र और तमाम राज्य सरकारों ने कोरोना को टक्कर देने की अच्छी खासी तैयारियाँ कर ली हैं। अनलॉक का पीरियड काफी बदला हुआ सा होगा क्योंकि जब हम सभी कुछ पहले जैसा करने की ओर बढ़ रहे होंगे तब सबको अपनी तरफ से और आगे बढ़कर काफी सावधानियाँ बरतनी बेहद जरूरी होंगी। जैसे सार्वजनिक स्थानों पर थूकना, शादी, ब्याह, अंतिम संस्कार, धार्मिक स्थलों पर तय संख्या में ही शामिल होना, बिना फेस मास्क के घरों न निकलना और बाहर सोशल डिस्टेंसिंग यानी दो गज की दूरी बनाए रखना बेहद जरूरी होगा। इसके लिए सरकारी फरमानों से ज्यादा खुद की सीमाओं को हर किसी को तय करना होगा। जहाँ बड़े, बुजुर्गों खासकर 65 साल से ज्यादा उम्र के बुजर्गों वहीं 10 साल से छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं को घरों पर ही रखने की सलाह माननी होगी ताकि इन्हें जल्द संक्रमण के चपेट में आने की जद से रोका जा सके। कोशिश करनी होगी कि जितना भी संभव हो लोग घरों से ही काम यानी वर्क फॉम होम करें, कार्य स्थलों, सार्वजनिक,धार्मिक, शैक्षणिक स्थानों पर निरंतर सैनिटाइजेशन की माकूल व्यवस्थाएं देखना स्थानीय प्रशासन की खास जिम्मेदारी हो ताकि संक्रमण को उसकी हद में ही रखा जा सके।यदि ऐसा हुआ तो एक ट्रेन्ड कुत्ता हर घंटे 250 लोगों की जांच कर पाएगा जो बड़ी नहीं बल्कि बहुत बड़ी कामियाबी तो होगी ही साथ ही इनका इस्तेमाल सार्वजनिक स्थलों और एयरपोर्ट पर कर एक बड़े खतरे से निपटने में आसानी होगी। अमेरिका और फ्रांस इस दिशा में लगे हुए हैं। यदि ऐसा हुआ तो तुरंत जाँच और नतीजों में बड़ी तेजी आएगी और भविष्य में नई बीमारियों से जूझने खातिर नजीर भी बनेगी। लेकिन लंबे और उबाऊ लॉकडाउन से बाहर आना भी तो जरूरी है ताकि कोरोना से इतर गरीबी, भुखमरी, पलायन, दूसरी बीमारियाँ और बेवजह का अवसाद झेल रहे लोग सामान्य रूप से सरकार द्वारा तय लक्ष्मण रेखा में पहले जैसी सामान्य जिन्दगी की ओर रफ्ता-रफ्ता बढ़ सकें। इतना तो तय है कि पहले दौर की रियायतों से लौटने वाली रौनक को बरकरार रखने के लिए हदों की हदबन्दी बेहद जरूरी होगी ताकि सावधानी हटी, दुर्घटना घटी वाली स्थिति न बने और जान है जहान के फॉर्मूले के बीच कोरोना के संग जीने की शुरुआत कर इसे मात देने की मुहिम सफल हो पाए और धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य हो जाए।

चीन का अहिंसक खाद्य पर प्रतिबंध

जैसा कहा गया हैं कि दो समान विचारधारा के जहाँ मिल जाएँ वहां एकांत हैं।हम कितनी भीदुहाई दे कि हम भारतीय हैं और संस्कृति का पालन करते हैं ,पर हमारा आचरण बिलकुल विपरीत हैं । हमें हिंसक प्रधान देश कहना चाहिए और भारत को गारत कहकर राम, कृष्ण ,महावीर, बुद्ध आदि के नाम पुकारना बंद करना चाहिए।हम शेर के ऊपर गधे का मास्क लगाए हैं , एक बात और हैं कि हमारे नेता और अमेरिका,चीन आदि के नेता दिन में दो हैं और रात में एक हैं।एक बात निश्चित हैं कि हम जितनी परछाई को पकड़ने का प्रयास करेंगे वह बढ़ती जाती हैं।हम जितना चीन से विरोध कर रहे हैं उतने नजदीक जा रहे हैं ,प्यार में ना ना का मजा हां हां में होता हैं।चीन से व्यापारिक सम्बन्ध खतम करना बेमानी हैं।आयात कीअनुमति कौन देता हैं ?आयात कौन करता हैं ?कौन के माध्यम से देश में सामान आता हैं और कौन खरीदता हैं ?देशवासी। हम चीन को अहिंसक खाद्य सामग्री निर्यात करते हैं जैसे सुअर का मांस ,आदि आदि ,क्या चीन में अहिंसक खाद्य की कमी हैं।वे हिंसक को अहिंसक मानकर खाते हैं.क्या करे हमने व्यापारिक विश्व संधि की हैं तो हमारी बाध्यता हैं।अभी भारत ने 15000 करोड़ रुपये मछली उत्पादन के लिए आवंटित किये हैं और 500 करोड़ मधुमख्खी पालन के लिए।अप्रत्यक्ष में हम मांस ,चमड़ा ,,मछली ,अंडा निर्यात में सबसे अग्रणी हैं। लद्दाख में भारत और चीन के बीच जारी तनाव के बीच चीन ने भारत से सुअर या जंगली सुअर के उत्पादों पर बैन लगा दिया है। उसने इसके लिए अफ्रीकन स्वाइन फीवर को वजह बताया है। चीन ने भारत से सुअर या जंगली सुअर से जुड़े किसी भी उत्पाद के आयात पर बैन लगाने का फैसला किया है। उसकी ओर से कहा गया है कि अफ्रीकन स्वाइन फीवर से बचने के लिए ऐसा कदम उठाया गया है। चीन के अखबार ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में इस महीने की शुरुआत में स्वाइन

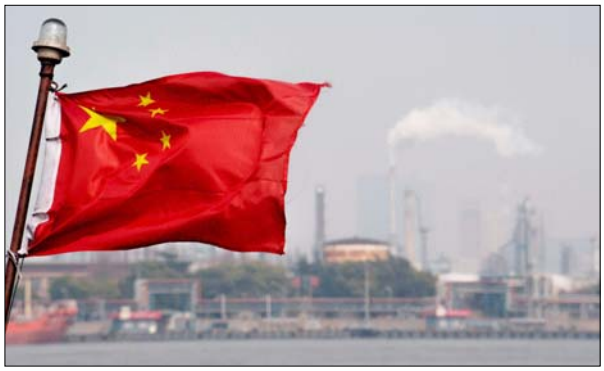

फीवर का पहला केस असम में मिला था। चीन केअफ्रीकन स्वाइन फीवर बचाव और नियंत्रण को शुरुआती नतीजे मिले हैं। मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि साल की शुरुआत से सुअरों को इलाज की जरूरत हो गई है और इनके मरने के मामले बढ़ते जा रहे हैं। यह बीमारी पहले चीन के लिआओनिंग प्रांत में अगस्त 2018 में पाई गई थी। इसके बाद से 2019 में पोर्क की कीमत औसतन 51.77 युआन (रू 7.10) प्रति किलो हो गई थी। चीन की ज्यादातर आबादी के लिए पोर्क अहम आहार है। एक बात यहाँ जरूर कहना चाहूंगा कि जिस देश कि आर्थिक बुनियाद हिंसा पर आधारित होती हैं उसका भविष्य अंधकारमय होगा और उस देश में कभी भी शांति नहीं रहेगी और जिस प्रकार जीव हिंसा से मूक जानवरों कि हिंसा कि जाती हैं उनकी आत्मा अपना प्रभाव डालती हैं।यही गति रही तो देश को और भी भयानक आपदाओं - विपदाओं को झेलना पड़ेगा ,प्रधान सेवक के शाकाहारी बनने से कुछ नहीं होगा।यह एकप्रकार का ढोंग हैं ,हमारा देश दूसरे देशों के भरण पोषण के लिए करोड़ों जानवरों कि हत्या करके आर्थिक वृद्धि कर रहा हैं और हम अपने आपको शांति प्रिय अहिंसक राष्ट्र मानते हैं। कुछ दिनों के लिए अहिंसक बनो ,उससे देश को कम आर्थिक और मानसिक नुक्सान होगा एक प्रयोग करे.चीन ने कुछ भी हो सुअर के मांस के आयात पर प्रतिबंध लगाकर उन जीवों के ऊपर उपकार किया और उनकी जान बच गयी। एक गलत धारणा में जी रहे हैं कि दुनिया पूरी शाकाहार हो जाएँगी तो अन्न कि कमी हो जाएँगी ईश्वर के जब चोंच दी हैं तो चना भी दिए हैं।आज जब संक्रमण /महामारी /गंभीर बीमारियां होती हैं तब उसको दाल ,रोटी ,खिचड़ी आदि क्यों दी जाती हैं या ली जाती हैं।एक बात और हैं कोई भी पूर्ण रूप से मांसाहारी नहीं हैं।मांसाहारी 30ज मांसाहार खाता हैं और शेष रोटी ,दाल चावल सब्जी सलाद खाता हैं।सिर्फ थोड़े समय के मनोरंजन और स्वाद के लिए जीव हिंसा रना उपयुक्त और उचित नहीं हैं। एक कसाई बकरी को काटने ले जा रहा था , बकरी हंसने लगी ,तब कसाई ने पूछा क्यों हंस रही हो ,तो उसने जवाब दिया कि मैं मात्र हरी भरी घांस खाती हैं तो मेरा ये हाल हैं और तुम मुझे खाओगे तब तुम्हारा क्या हाल होगा ?सुअर क्या खाता हैं ?यदि वे न हों तो देश का स्वच्छता लक्ष्य पूरा नहीं हो सकता। उनका सफाई में बहुत बड़ा योगदान हैं ,जबकि मनुष्य तो मात्र गन्दगी बढ़ाने में निपुण हैं।हर जानवर अपने अपने धरम का पालन करते हैं पर मनुष्य एक ऐसा जानवर हैं जिसने सब जानवरों कि आदतें ले ली।

जैकलीन समय का कर रहीं सदुपयोग

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज महामारी के कारण हुए समय का सदुपयोग कर रही हैं। दरअसल, वह चीजों के प्रति सकारात्मक रवैया बनाए रखना निश्चित रूप से जानती हैं। अपने समय का सदुपयोग करते हुए दूसरों को प्रेरित करना उन्हें अच्छे से आता है। जैकलीन ने लॉकडाउन के दौरान व्यस्त रहने के उनके अनुभव के बारे में बताया कि मेरी फिल्म की रिलीज, प्रोमोशन, सलमान के साथ गाना, बादशाह के साथ गाना, मैगजीन शूट और अब शो- जब काम की बात आती है, तो मुझे महसूस ही नहीं हो रहा है कि मैं लॉकडाउन में हूं, शुक्र है कि ऐसा हो रहा है।अभिनेत्री ने आगे कहा, व्यक्तिगत रूप से मैं सकारात्मक बने रहने की कोशिश कर रही हूं और वह सब कर रही हूं जिससे मैं खुद को व्यस्त रख सकूं। मैं यथासंभव प्रोडक्टिव बने रहने की कोशिश करती हूं। घर में रहना और अपने रोजमर्रा के काम के लिए बाहर न जाना, कुल

मिलाकर यह हर किसी के लिए एक कठिन समय रहा है, लेकिन मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मैं खुद को व्यस्त रखने में सक्षम रही हूं। हमें इस समय का जितना संभव हो सके उतना सदुपयोग करना चाहिए। साथ ही मुझे उम्मीद है कि इस कठिन समय के खत्म होते ही हम सब एक बार फिर से अपनी सामान्य जिंदगी की शुरुआत करेंगे। बता दें कि जैकलीन पिछले कुछ दिनों तक अपनी हालिया रिलीज फिल्म %मिसेज सीरियल किलर% के प्रोमोशन में व्यस्त थीं, जिसमें वह एक अनदेखे किरदार में नजर आई हैं। वहीं, अभिनेत्री ने इस साल सुपरस्टार सलमान खान के साथ %तेरे बिना% के अलावा %मेरे अंगने में% और %गेंदा फूल% जैसे कुछ बेहतरीन हिट गाने भी दिए हैं।

ऐक्टिंग के लिए छोड़ दिया था कॉलेज : श्रद्धा

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस श्रद्धा कपूर की प्रभास के साथ हालिया रिलीज फिल्म साहो बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया। अब साहो के रिलीज के बाद और भी कई फिल्में रिलीज होना है हालांकि वह अभी अपनी फिल्म के प्रमोशन में बिजी हैं। एक हालिया शो में उन्होंने ने बताया कि उन्होंने ऐक्टिंग में करियर बनाने के लिए अपना कॉलेज ड्रॉप कर दिया था। उन्होंने बताया कि पहले उनका प्लान था कि वह पहले अपनी पढ़ाई पूरी करेंगी और फिर ऐक्टिंग के फील्ड में आएंगी। लेकिन उनको ऐक्टिंग करने की बहुत जल्दी थी। उन्होंने बताया कि वह अमेरिका से वापस आ गईं और इसके साथ ही उन्हें फिल्मों के नहीं बल्कि ऑडिशंस के ऑफर्स मिलने लगे। इसके बाद उन्होंने यह फैसला लिया कि वह कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देंगी।

फिल्म इंडस्ट्री में नेपोटिज्म से इंकार नहीं

मुंबई। फिल्म इंडस्ट्री में नेपोटिज्म पर नवोदित बॉलीवुड अभिनेत्री सहर बांबा का कहना है, %मैं गलत हूं कि अगर यह कहूंगी कि इंडस्ट्री में नेपोटिज्म नहीं है। मैं इससे इनकार नहीं कर सकती। साथ ही मैं भी यह मानती हूं कि आपको इस चीज को लेकर बैठना नहीं चाहिए आपको एक्सेप्ट करना चाहिए जो है और अपनी मेहनत पर यकीन होना चाहिए। इस फिल्म से जुड़ने से पहले मैंने कई बार इन सब चीजों का सामना किया है। लेकिन सेट पर कहीं पर भी मुझे एहसास नहीं हुआ कि मैं आउटसाइडर हूं। हमें बराबर का ट्रीटमेंट मिला करता था। इसलिए मैं कंप्लेन नहीं कर सकती। उल्टा सनी सर कई बार हमारे साथ बैठकर फिल्म इंडस्ट्री की बहुत सारी इंटरेस्टिंग बातें शेयर किया करते थे अपने एक्सपीरियंस शेयर करते थे, जो मेरे लिए प्रेरणादायक था।% यहां बता दे कि फिल्म %पल पल दिल के पास% से अपनी फिल्मी करियर की शुरुआत करने जा

रहीं सहर बांबा अपने डेब्यू को लेकर खासी उत्साहित हैं। शिमला के एक छोटे कस्बे से ताल्लुक रखने वाली सहर मानती है उनके लिए %पल पल दिल के पास% से उनका डेब्यू करना किसी सपने के जैसा है। पिछले 4 साल से मुंबई में ऐक्टिंग के फील्ड में अपना करियर तलाश रहीं सहर की जिंदगी उस वक्त बदल गई, जब उन्हें टाइम्स के फ्रेश फेस के टाइटल से नवाजा गया।सहर के अनुसार, %बारहवीं के बाद ही मैं मुंबई आ गई थी और यहां पढ़ाई के साथ-साथ ऐक्टिंग के लिए भी ट्राई कर रही थी। इस दौरान मैंने बहुत से ऑडिशंस दिए लेकिन कहीं बात नहीं बन पा रही थी। इसी बीच मैंने टाइम्स फ्रेश फेस के लिए फॉर्म भरा। मैं इसे ही अपनी लाइफ का टर्निंग प्वाइंट मानती हूं क्योंकि खिताब जीतने के बाद मुझे कई कास्टिंग डायरेक्टर्स के कॉल आने लगे।% पल पल के साथ जुड़ने पर सहर कहती हैं, %मुझे यकीन नहीं होता कि मैं सनी देओल सर के साथ काम कर रही हूं। मैंने तो ऑडिशन के दौरान ही हार मान ली थी मुझे लगा था मेरा सिलेक्शन नहीं होगा। ?उस दिन मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा सब सनी सर ने मुझे बुलाकर कहा कि वेलकम, अब आप हमारे साथ हैं। एक न्यूकमर के लिए इससे अच्छी बात क्या हो सकती है कि उन्हें सनी देओल के डायरेक्शन में काम करने का मौका मिले।% शूटिंग से जुड़े अपने एक्सपीरियंस थे सहर कहती हैं, %शूटिंग के ज्यादातर लोकेशंस काफी रियल है। हम पहाड़ों पर चढ़कर सुबह के 4 बजे शूटिंग करने जाया करते थे। रस्सी से लटकना, पानी में कूदना यह सब काफी टफ एक्सपीरियंस रहा है। इस दौरान एक बात बहुत अच्छी थी सनी सर मुझे बिल्कुल अपने बच्चे की तरह ट्रीट कर रहे थे। उन्होंने मुझमें और करण में कोई अंतर नहीं समझा।

सोनाक्षी को याद आ रहे लिफ्ट के दिन

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा को सज-धजकर लिफ्ट में सेल्फी लेने के दिन याद आ रहे हैं। उन्होंने अपनी एक तस्वीर को साझा करते हुए लिखा कि पिछले साल आज ही के दिन। जब सजना-संवरना और सेल्फी लेने जैसी कोई चीज होती थी। इस तस्वीर में सेल्फी लेती हुई सोनाक्षी एक बेहद ही स्टाइलिश ब्लू जंपसूट और चश्में में नजर आ रही हैं। इस बीच अभिनेत्री ने हाल ही में ट्विटर पर अपने फैंस के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र में बताया था कि वह किस तरह से ट्रोल्स का सामना करती हैं। दरअसल, सोनासेज सेशन में जब एक यूजर ने ट्विटर पर सोनाक्षी के बैकग्राउंड पिक्चर के बारे में पूछा, तब इस विषय का जिक्र आया। इस तस्वीर में अभिनेत्री अपनी आंखों को बंद कर कानों में अंगूली डालकर खड़ी नजर आ रही हैं और उनकी टी-शर्ट पर लिखा है, मैं सुन रही हूं।

पीले रंग के परिधान में ट्रॉल हुई कियारा

अभिनेत्री कियारा आडवाणी को अपनी हालिया तस्वीर को लेकर ट्रॉल का सामना करना पड़ा। दरअसल, कियारा ने पीले रंग का परिधान पहन रखा था, जिससे उनके प्रशंसकों ने उनको मैगी कह डाला। दरअसल %कबीर सिंह% की अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पीले रंग की लंबी फेदरी ऑफ-शॉल्डर परिधान में अपनी एक तस्वीर डाली थी। अब ऐसे में उनके प्रशंसकों ने भी बिना मौका गवांते हुए उन्हें ट्रॉल करना शुरू कर दिया और उनके परिधान की तुलना मैगी से कर डाली। एक यूजर ने कमेंट किया, ÷मसाला मैगी÷। दूसरे ने लिखा, ÷जब आपको मैगी बहुत ज्यादा पसंद हो÷। अन्य ने लिखा, ÷अगर आप मैगी खाकर थक गए हैं तो उसका गाउन बना लीजिए। खाना बर्बाद होने से रोकने का मजेदार तरीका। नेटफ्लिक्स की आगामी फिल्म %द व्हाइट टाइगर% में पहली बार अभिनेता राजकुमार राव और अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा एक साथ नजर आएंगें। यह अरविंद अडिगा की किताब %द व्हाइट टाइगर% से प्रेरित है। इसमें नवोदित कलाकार आदर्श गौरव भी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन रामिन बहरानी करेंगे। इसकी शूटिंग भारत में इस साल के अंत में शुरू होगी। प्रियंका और राजकुमार दोनों महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। प्रियंका ने कहा, ÷अरविंद अडिगा की मार्मिक कहानी को पर्दे पर लाने लिए मैं रामिन बहारानी और नेटफ्लिक्स के साथ काम करने के लिए बहुत रोमांचित हूं। जब मैंने किताब पढ़ी, तो मैं इसकी कहानी से बहुत प्रभावित हुई।÷ उन्होंने कहा कि वह भारत में फिल्म की शूटिंग करने और राजकुमार राव के साथ पहली बार काम करने को लेकर उत्सुक हैं। अभिनेत्री सुष्मिता सेन का कहना है कि कुछ भी सीखने के लिए कभी भी ज्यादा देर नहीं होती। सुष्मिता ने एक वीडियो साझा करते हुए कहा, ÷43 की उम्र में स्किन डाइव सीख रही हूं। कभी भी कुछ सीखने के लिए देर नहीं होती, केवल पहला कदम बढ़ाने की जरूरत होती है, बाकी अपने आप हो जाता है।÷ उन्होंने कहा, ÷मैं तब तक समुद्र में गोता लगाती रही, जब तक कि सीख ना जाऊं। शुक्रिया हुसैन हसम एक सांच की ताकत को सीखाने के लिए।÷ उन्होंने अपने प्रेमी रोमन शॉल और बेटी अलीसा के साथ कई तस्वीरें और वीडियो साझा की। वे सभी इस तकनीक को सीख रहे हैं।

नोरा का न्यू बॉर्बी लुक

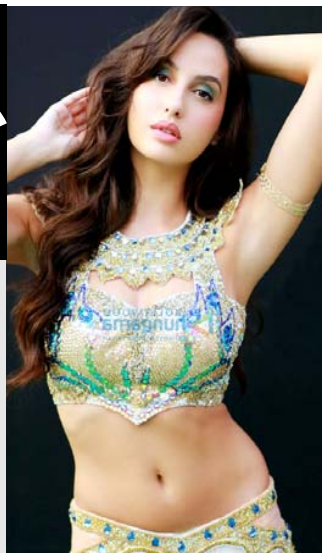

मुंबई। काफी कम समय में ही खूबसूरत नोरा फतेही ने बॉलिवुड में अपने लिए जगह बना ली है। अपने बॉलीवुड डांस मूव्स से सारे देश के लोगों का दिल जीत चुकीं नोरा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर रेड समर लुक शेयर किया है। इसमें वह रेड टैंक टॉप पहने नजर आ रही हैं और पिंक विग के साथ रेड लाइफगार्ड कैप लगा रखी है। उनका यह लुक बिल्कुल बार्बी डॉल की तरह लग रहा है। हालिया तस्वीर में नोरा एक रेड-हॉट बार्बी के लुक में दिखाई दे रही हैं। इंस्टाग्राम में अपनी इस तस्वीर में नोरा एक ब्राइट रेड टैंक टॉप के साथ एक रेड कैप पहनी हुई हैं जिस पर %लाइफगार्ड कैप्शन लिखा हुआ है। अपने इस लुक को कंप्लीट करने के लिए एक सिर पर एक पिंक विग के साथ नोरा ने लंबे गोल्डन हूप इयररिंग्स पहने हैं, पिंक लिपस्टिक और ब्लैक शेड्स लगा रखे हैं। नोरा का यह लुक बार्बी डॉल से काफी मिलता-जुलता है। तस्वीर के कैप्शन में नोरा ने लिखा, %क्या आप लोग नोरियाना की हॉर्ट गर्ल समर के लिए तैयार हैं? बता दें कि भारतीय फिल्म में इंडस्ट्री में उन्होंने साल 2014 की फिल्म रोर के साथ डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने साल 2015 में क्रेजी कुक्कड़ फैमिली में काम किया।

मैं किसी एक इंसान के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करती: कनिका

मुंबई। अभिनेत्री कनिका मान का कहना हैं कि कई ऐसे कलाकार हैं जो विभिन्न क्षेत्रों में उनके मुकाबले कहीं अधिक बेहतर हैं। उनके पास स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना है। 'गुड्डन तुमसे न हो पाएगा' की अभिनेत्री का कहना है कि वह सोशल मीडिया पर रीम समीर शेख और श्रद्धा आर्या जैसे कलाकारों को 'स्टॉक' करती हैं। ऐसे कई युवा कलाकार हैं जो टीवी शो की मेजबानी कर रहे हैं। कनिका ने बताया, ''मैं यह नहीं कहूंगी कि मुझमें प्रतिस्पर्धा की भावना नहीं है या फलाना शो व पोस्ट को ज्यादा टीआरपी या लाइक्स मिल रहे हैं। अगर हम नहीं भी चाहते हैं तो मेरा मानना है कि यह सभी के अंदर है, लेकिन मैं कहूंगी कि सिर्फ किसी एक इंसान के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करती।'' उन्होंने कहा, ''मैं सोशल मीडिया हर एक की प्रोफाइल चेक करती हूं। रीम और श्रद्धा आर्या उनमें से कुछ कलाकार हैं।'' कनिका का मानना है कि सभी में एक खासियत होती है। कनिका के मुताबिक, ''कोई बहुत ज्यादा खूबसूरत है या बहुत अच्छा डांस करता/करती है। इस तरह के कुछ और गुण हैं जो मुझे उनकी ओर आकर्षित करते हैं। मैं हर किसी को स्टॉक करती हूं। मैं देखती हूं कि शो की लीड क्या कर रही है, वह किस तरह से खुद को सोशल मीडिया या किसी और प्लेटफॉर्म पर एक्टिव रखती है, मैं अवॉर्ड शोज देखती हूं और उनकी बातों को सुनती हूं। मुझे नहीं पता क्यों। शायद इसलिए क्योंकि मैं इंडस्ट्री में नई हूं इसलिए इंडस्ट्री में क्या कुछ हो रहा है उसके बारे में जानने को लेकर उत्साहित रहती हूं।

तुर्की के पूर्वी प्रांत में आये 5.7 तीव्रता के भूकंप ने सब कुछ तबाह कर दिया। भूकंप में तबाह हुए घरों के मलबे।

रक्षामंत्री के बयान को पाक ने किया खारिज

इस्लामाबाद। पीओके के बारे में भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयान को पाकिस्तान ने खारिज कर दिया। पाक ने आरोप लगाया कि भारत की यह जम्मू-कश्मीर से ध्यान हटाने की कोशिश है। जम्मू-कश्मीर के लिए डिजिटल जन संवाद रैली को संबोधित करते हुए सिंह ने कल कहा कि जब पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के लोग पाकिस्तान के आधिपत्य से मुक्त होना चाहेंगे और भारत का हिस्सा बनना चाहेंगे तब संसद का वह प्रस्ताव पूरा होगा कि यह क्षेत्र देश का अभिन्न हिस्सा है। संसद एक प्रस्ताव पारित कर चुकी है जिसमें पीओके को भारत का हिस्सा बताया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने कहा कि उनका बयान जम्मू-कश्मीर से ध्यान हटाने की एक और कोशिश है।बता दें पाक सीमा पार से आतंकियों की घुसपैठ कराकर लगातार घाटी का माहौल खराब करने के प्रयास करता रहता है और यहां सेना के हाथों मारे जाने वाली आतं?कियों को स्थानीय बताकर उन्हें शहीदों का तमगा देते रहता है।

अमेरिका में नए सिरे से नस्लवाद विरोधी प्रदर्शन

वाशिंगटन। अमेरीका में अश्वेतों के दो अन्य घटनाएं सामने आने के बाद सप्ताहांत में नए सिरे से नस्लवाद-विरोधी प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। मालूम हो ?कि बीते दिनों अटलांटा में श्वेत पुलिस अधिकारी की गोली लगने से एक काले व्यक्ति की मौत होने और कैलिफोर्निया में सिटी हॉल के बाहर एक अन्य काले व्यक्ति का शव पेड़ से लटकता पाया गया। कल अटलांटा पुलिस ने घोषणा की कि 27 वर्षीय काले व्यक्ति रेशार्ड ब्रूक्स की शुक्रवार रात को पुलिस की गोली लगने से मौत हो जाने के बाद आरोपी अधिकारी गेरेट रोल्फे को बर्खास्त कर दिया गया जबकि अन्य अधिकारी डेविन ब्रोस्नैन को प्रशासनिक ड्यूटी में तैनात किया गया है। अटलांटा की मेयर कीशा लांस बॉट्म्स ने पुलिस प्रमुख एरिका शील्ड्स का इस्तीफा स्वीकार करने की घोषणा की। बॉट्म्स ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि इस घातक बल प्रयोग को सही ठहराया जा सकता है।'' करीब 150 प्रदर्शनकारियों ने वेंडी रेस्तरां के बाहर मार्च निकाला, जहां ब्रूक्स को गोली मारी गई थी। अटलांटा में यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब मिनियापोलिस में अफ्रीकी-अमेरिकी जॉर्ज फ्लॉयड की 25 मई को पुलिस हिरासत में मौत के बाद से अमेरिका में पुलिस बर्बरता और नस्ली भेदभाव के खिलाफ प्रदर्शन हुए हैं। शुक्रवार की इस घटना के बाद प्रदर्शनकारियों ने वेंडी रेस्तरां में आगजनी की। जॉर्जिया जांच ब्यूरो (जीबीआई) के मुताबिक, अटलांटा पुलिस को शिकायत मिली थी कि कार में सो रहे एक व्यक्ति ने रेस्तरां के बाहर सड़क बाधित कर रखी है, जिसके बाद पुलिस वहां पहुंची थी और ब्रूक्स एवं पुलिस के बीच टकराव हुआ। वहीं, कैलिफोर्निया के पामडेल में शनिवार को सैकड़ों लोगों ने 24 वर्षीय काले व्यक्ति रॉबर्ट फुलर की मौत के मामले में जांच की मांग को लेकर रैली निकाली। सिटी हॉल के पास बुधवार को एक पेड़ से फुलर का शव लटकता पाया गया था। प्रदर्शनकारियों ने जहां फुलर का शव मिला था, वहां से लेकर शेरिफ के स्टेशन तक रैली निकाली।

एक अन्य काले व्यक्ति का शव लटकता मिला था पेड़ से

जापान में भूकंप के तेज झटके, सुनामी की कोई चेतावनी नहीं

टोक्यो । जापान के कागोशिमा प्रांत में अमामीशिमा द्वीप के तट पर रविवार को तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 6.3 दर्ज की गई इसकी जानकारी अधिकारियों ने दी ।वहीं कोई सुनामी की चेतावनी जारी नहीं की गई। रिपोर्ट के अनुसार, यह भूकंप देर रात 12.51 बजे आया था, वहीं इसका केंद्र 28.8 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 128.3 डिग्री पूर्वी देशांतर पर था। यह भूकंप 160 किलोमीटर की गहराई में आया था। यह भूकंप कागोशिमा के कुछ 4 हिस्सों में महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता जापानी भूकंपीय स्केल पर 7 दर्ज की गई। हालांकि इससे किसी के घायल होने की जानकारी सामने नहीं आई है।

हज यात्रा रद्द करेगी सऊदी अरब, अगले सप्ताह घोषणा संभव

रियाद। कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के कारण सऊदी अरब प्रशासन इस साल हज यात्रा को रद्द करने पर विचार कर रहा है। सऊदी अधिकारियों के अनुसार 2020 हज यात्रा को लेकर एक सप्ताह के अंदर फैसला लिया जा सकता है। गौरतलब है ? ?कि हर साल 20 लाख के करीब तीर्थयात्री सऊदी अरब हज के लिए आते हैं। सऊदी प्रशासन ने मार्च में ही सभी देशों से अपील करते हुए कहा था कि वे कोरोना वायरस संक्रमण के कारण हज के कोटे को कम रखें। सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था में हज और उमराह से होने वाली आमदनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। माना जा रहा है कि इस साल हज को स्थगित करने से सऊदी की अर्थव्यवस्था को तगड़ी चोट लगेगी। जानकारी के अनुसार सऊदी प्रशासन इस साल बुजुर्ग तीर्थयात्रियों पर प्रतिबंध और गंभीर स्वास्थ्य जांच सहित कई तरह के अन्य प्रतिबंधों पर भी विचार कर रहा है। जिसके तहत प्रत्येक देश को हज का जितना कोटा दिया गया है उसके 20 फीसदी ही लोग इस बार हज यात्रा कर सकेंगे। सऊदी अरब में भी कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। रविवार तक यहां संक्रमितों की संख्या 123,308 हो गई, जबकि 932 लोगों की मौत हुई है। सऊदी अरब में कोरोना का पहला मामला 2 मार्च को सामने आया था, जिसके बाद अप्रैल और मई में इसकी रफ्तार काफी तेज हुई है।

परमाणु बम बना रहा ईरान

इजरायल ने खुफिया रिपोर्ट्स पर जताई चिंता

तेल अबीव। इजरायल के रक्षा अधिकारियों ने दावा किया है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करने की अपनी योजना पर तेजी से काम कर रहा है। इजरायली खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान अगले दो साल में परमाणु हथियार को विकसित कर सकता है। इसके लिए ईरान ने अपने परमाणु संवर्धन के काम को तेज किया है। बता दें कि अमेरिका के साथ परमाणु करार के टूटने के बाद ईरान ने यूरेनियम संवर्धन के गति को तेज कर दिया था। इजरायल ने आशंका जताई है कि ईरान 4 फीसदी की स्तर से यूरेनियम संवर्धन की अपनी नीति को जारी रखे हुए है। रक्षा मंत्री बेनी गैंट्ज़ को सौंपे गए एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान एक परमाणु बम के सभी कंपोनेंट के उत्पादन से सिर्फ छह महीने दूर है और वह अगले दो साल में परमाणु हथियार बना सकता है। सूत्रों के अनुसार, अगर ईरान यूरेनियम संवर्धन की अपनी गति को तेज करता है तब इजरायल को प्रतिक्रिया देने के लिए अपने संभावित उपायों पर विचार करना पड़ेगा। माना जा रहा है कि इजरायल किसी भी तरीके से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोक सकता है जिसमें एयर स्ट्राइक और मिसाइल हमला तक शामिल है।

अमेरिका में सत्ता परिवर्तन से डरा इजरायल इजरायल के अधिकारियों ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कार्यकाल इजरायल के प्रति बहुत सकारात्मक था। इस दौरान पिछले कई सालों की अपेक्षा इजरायल और अमेरिका के रक्षा संबंधों में काफी तेजी देखी गई। कुछ अधिकारियों को यह डर है कि वाशिंगटन में सत्ता परिवर्तन ईरान के खिलाफ संघर्ष में इजरायल को पीछे कर देगा।

ईरान परमाणु समझौते का उल्लंघन कर रहा

टोक्यो में अश्वेत जॉर्ज फ्लोयड की मृत्यु के विरोध में लोगों ने एक जुट होकर रैली निकाली। रैली में लोगों ने हाथों में पोस्टर बैनर लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

दक्षिण कोरिया में कोरोना के 37 नए केस उजागर, संक्रमितों का आंकड़ा 12 हजार के पार

सियोल। वैश्विक महामारी कोरोना के कहर से कोई देश बच नहीं पा रहे हैं। दक्षिण कोरिया में कोरोना वायरस संक्रमण के 37 नये मामले उजागर के बाद देश में कुल संक्रमितों का आंकड़ा 12,121 हो गया है। इनमें इस घातक वायरस के कारण जान गंवाने वाले 277 लोग भी शामिल हैं। कोरियाई रोग नियंत्रण एवं बचाव केंद्र ने कहा कि नये मामलों में से 25 मामले सियोल क्षेत्र से सामने आए हैं। सियोल में, स्वास्थ्य अधिकारी मनोरंजन एवं आराम फरमाने वाले स्थानों, गिरजाघरों की सभाओं, कारखानों के कर्मचारियों और घर-घर जाकर सामान बेचने वालों के बीच फैल रहे संक्रमण की रोकथाम के लिए संघर्ष कर रहे हैं। देश में संक्रमण के कुल मामलों में से कम से कम 1,346 मामले अंतरराष्ट्रीय आगमनों से जुड़े हुए हैं जिनमें से ज्यादातर दक्षिण कोरिया के नागरिक ही हैं जो विदेशों से लौटे हैं।

कोरोना पर फ्रांस ने दर्ज की पहली जीत, आज से खुलेंगे व्यावसायिक प्रतिष्ठान, यात्रा की अनुमति

पेरिस। कोरोना वायरस लॉकडाउन के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैन्युअल मैक्रों ने कोरोना वायरस के खिलाफ %पहली जीत% का ऐलान कर दिया है। इसके साथ ही सोमवार से व्यावसायिक प्रतिष्ठान खोलने का निर्णय लिया है। मैक्रों ने एक टीवी संदेश में ऐलान किया कि सभी बार, रेस्तरां और कैफे से प्रतिबंध हटा दिए जाएंगे। एक हफ्ते के अंदर स्कूल, कॉलेज और नर्सरी में बच्चे भी लौटने लगेंगे। मैक्रों ने अपने संदेश में कहा, कल से हम इस आपदा के पहले एक्ट का पन्ना पलट सकेंगे। कल से मयोटी और गुयाना को छोड़कर बाकी सभी जगहों को ग्रीन जोन कहा जा सकेगा। मैक्रों ने ऐलान किया कि पेरिस में सभी कैफे और रेस्तरां खुल सकेंगे। देश में अभी सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना होगा और पब्लिक ट्रांसपोर्ट पर मास्क जरूरी होगा। सोमवार से यूरोपियन देशों के बीच यात्रा की इजाजत दे दी गई है।। 1 जुलाई से यूरोप के बाहर ऐसी जगहों पर जाने की इजाजत होगी जहां महामारी नियंत्रण में होगी। मैक्रों ने कहा कि स्कूल, कॉलेज और नर्सरी 22 जून से खुलेंगे। इसके बाद यहां अटेंडेंस के सामान्य नियम लागू होने लगेंगे। राष्ट्रपति ने लोगों से अपील की है कि जितना ज्यादा से ज्यादा हो सके इकट्ठा न हो क्योंकि वायरस के फैलने का यह सबसे अच्छा मौका है। इसलिए ऐसे कार्यक्रमों पर नजर भी रखी जाएगी। वहीं, 28 जून को होने वाले म्युनिसिपल चुनाव भी शेड्यूल के मुताबिक ही होंगे। फ्रांस ने एक महीने पहले 8 हफ्ते का लॉकडाउ खत्म किया था। इसके बाद से कोरोना वायरस के मामलों में बढ़त नहीं देखी गई है और जीवन पटरी पर लौटने लगा है। मैक्रों ने कहा कि अब लोग एक साथ रह सकेंगे और काम कर सकेंगे, मस्ती भी कर सकेंगे लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि वायरस चला गया है और सतर्क रहना बंद कर दिया जाए।

विंडीज के कोच सिमंस का मानना, दर्शकों के ना होने का फायदा उनकी टीम को ज्यादा होगा

लंदन। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच टेस्ट सीरीज दर्शकों के बिना खाली स्टेडियम में होगी इसपर विंडीज के कोच फिल सिमंस का मानना है कि दर्शकों के ना होने का फायदा उनकी टीम को ज्यादा होगा। वेस्टइंडीज को इंग्लैंड के खिलाफ आठ जुलाई से तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। कोरोना के कारण दुनिया में खेल गतिविधियां ठप्प रहने के बीच इस सीरीज से क्रिकेट की वापसी हो रही है, और सीरीज के मैच दर्शकों के बिना खेले जाएंगे। मार्च के मध्य में क्रिकेट रुकने के बाद यह पहली अंतरराष्ट्रीय सीरीज होगी जो कोरोना के मद्देनजर नए दिशानिर्देशों के तहत खेली जाएगी। सिमंस ने कहा है कि स्टेडियम में दर्शकों का न होना उनके फायदे में रहेगा, क्योंकि इंग्लिश टीम को घरेलू दर्शकों का समर्थन नहीं मिल पायेगा। सिमंस ने कहा, मैं यह नहीं कहता कि इससे हमारे लिए मौके बढ़ जाएंगे क्योंकि हालात दोनों टीमों के लिए एक जैसे हैं। लेकिन हमारे लिए अच्छी बात यह है कि इंग्लैंड की टीम का समर्थन करने के लिए स्टेडियम में 20 हजार दर्शक नहीं मौजूद रहने वाले हैं, इसी बात का हमें फायदा मिल सकता है। वेस्टइंडीज की 11 रिजर्व खिलाड़ियों सहित कुल 25 सदस्यीय टीम इस दौरे पर पहुंची है, और इस समय वह मैनचेस्टर में 14 दिन के अनिवार्य क्वारंटीन पर है। कोच ने कहा, हमें एक और बात का भी फायदा होगा। हम अपने घर में क्रिकेट खेल रहे थे, जबकि इंग्लैंड की टीम ने पिछले तीन महीनों में कोई क्रिकेट नहीं खेला है। सामान्य स्थिति होती,तब हम शिविर से आते जबकि इंग्लैंड का आधा सत्र गुजर चुका होता और वे सीधे मैदान में उतरते। वेस्टइंडीज ने 18 महीने पहले इंग्लैंड को घरेलू सीरीज में 2-1 से हराया था और यदि यह सीरीज ड्रा भी रहती है तो विंडीज विजडन ट्रॉफी अपने पास बरकरार रखेगी। में अगस्त में इस ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के आयोजन पर अमेरिकी टेनिस संघ इस सप्ताह फैसला कर सकता है।

खेल रत्न अवॉर्ड के लिए हिमा के नाम की सिफारिश

नई दिल्ली। धाविका हिमा दास का नाम प्रतिष्ठित खेल रत्न अवॉर्ड के लिए भेजा गया है। हिमा राजीव गांधी खेल रत्न अवॉर्ड के लिए नामांकित होने वाली सबसे कम उम्र

की खिलाड़ी हैं। साल 2018 में शानदार प्रदर्शन करने वाली हिमा के नाम की सिफारिश असम सरकार ने की है। हिमा ने फिनलैंड में 2018 में अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप खिताब जीता था और वह यह उपलब्धि करने वाली देश की पहली ट्रैक ऐथलीट बनी थीं। 20 साल की हिमा ने 2018 में अंडर-20 विश्व खिताब के अलावा जकार्ता एशियाई खेलों में 400 मीटर में रजत, चार गुणा 400 मीटर रिले और महिला चार गुणा 400 मीटर में स्वर्ण पदक जीता। हिमा के अलावा भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा, पहलवान विनेश फोगाट, टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा, महिला हॉकी कप्तान रानी रामपाल और क्रिकेटर रोहित शर्मा का नामांकन भी देश के सर्वोच्च खेल पुरस्कार के लिए किया गया है।

यूएस ओपन स्पर्धा के आयोजन पर बार्टी ने भी व्यक्त की चिंता

ब्रिस्बेन। दुनिया की शीर्ष महिला खिलाड़ी एशलीग बार्टी ने कोरोना वायरस को लेकर अनिश्चितता के बावजूद यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के आयोजन पर चिंता जताई है। बार्टी को अभी फ्रेंच ओपन के खिताब का बचाव करने का मौका नहीं मिला क्योंकि सभी टेनिस प्रतियोगिताएं ठप पड़ी हैं। वह जानती हैं कि 2020 में विंबलडन नहीं होगा लेकिन वह पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 31 अगस्त से शुरू होने वाले यूएस ओपन को लेकर स्पष्ट फैसले का इंतजार कर रही हैं। नोवाक जोकोविच और राफेल नडाल भी यूएस ओपन के लिये खिलाड़ियों पर संभावित प्रतिबंधों और अन्य बदलावों को लेकर आशंकाएं जता चुके हैं। रिपोर्टों के अनुसार विश्व की नंबर दो महिला खिलाड़ी सिमोना हालेप का खेलना भी संदिग्ध है। बार्टी ने कहा, 'मैं भी चिंतित हूं। मैं जानती हूं कि आयोजक टूर्नामेंट के आयोजन के इच्छुक हैं लेकिन हर किसी को सुरक्षित रखना प्राथमिकता होनी चाहिए।' न्यूयार्क में अगस्त में इस ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के आयोजन पर अमेरिकी टेनिस संघ इस सप्ताह फैसला कर सकता है।

नंबर तीन के लिए विराट नहीं धोनी होते मेरी पसंद : गंभीर

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कहा है कि अगर पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी एकदिवसीय मुकाबलों में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आते तो उनके नाम कई और रिकार्ड भी होते। गंभीर को भारत के मौजूदा कप्तान विराट कोहली और धोनी में से किसी एक को चुनने को कहा गया था। गंभीर ने एक शो में कहा, 'विराट और धोनी, दोनों की तुलना करना काफी कठिन है क्योंकि एक तीसरे नंबर पर तो दूसरा छठे या सातवें नंबर पर उतरता है।' गंभीर ने कहा कि धोनी तीसरे नंबर पर उतरते तो बल्लेबाजी के कई रेकॉर्ड तोड़ चुके होते। उन्होंने कहा, 'शायद मैं धोनी को चुनता। सपाट विकेटों पर मौजूदा गेंदबाजी आक्रमण के बीच तीसरे नंबर पर वह बेहतरीन होते।' उन्होंने कहा, 'श्रीलंका, बांग्लादेश, वेस्टइंडीज को देखो। अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी के स्तर को देखते हुए धोनी अधिकांश रेकॉर्ड अपने नाम कर लेते।'

क्रिकेट आस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी राबर्ट्स का इस्तीफ

मेलबर्न। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) के मुख्यकार्यकारी केविन राबर्ट्स ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राबर्ट्स की जगह अब मुख्य कार्यकारी निक हॉकली को अंतरिम प्रभार दिया गया है। कोरोना वायरस महामारी के कारण बोर्ड आर्थिक बदहाली का सामना कर रहा है और ऐसे में राबर्ट्स पर इस्तीफे का दबाव बढ़ता जा रहा था। सीए के चेयरमैन अर्ल एडिंग्स ने कहा कि पिछले कुछ महीने से जारी संकट को देखते हुए बोर्ड को आगे बढ़ने के लिये किसी नये नेतृत्व की जरूरत है। सीए ने एक बयान में कहा ,'' बोर्ड ने राबर्ट्स का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। वहीं आईसीसी टी20 विश्व कप के मुख्य कार्यकारी निक हॉकली अब उनकी जगह अंतरिम मुख्य कार्यकारी होंगे।'' उन्होंने एक बयान में कहा ,'' ऐसे समय बाकी राष्ट्रीय खेलों की तरह क्रिकेट भी बदलाव के दौर से गुजर रहा है। हाल ही के महीनों में कोरोना महामारी ने अनिश्चितता पैदा कर दी है। पूरा क्रिकेट जगत इससे प्रभावित है और इस कारण हमें कुछ कड़े फैसले लेने पड़ रहे हैं।'' उन्होंने कहा ,'' राबर्ट्स ने अपने काम को बेहतर तरीके से किया था। उन्होंने हमेशा खेल को सर्वोपरि रखा। हम उन्हें भविष्य के लिये शुभकामना देते हैं।' सीए ने इससे पहले आर्थिक संकट से निपटने अपने आधे से ज्यादा स्टाफ को हटा दिया था। वहीं बचे हुए कर्मचारी केवल 20 फीसदी वेतन पर काम कर रहे हैं।

पेट्रोल 5.45 और डीजल 5.80 रुपए महंगा

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बावजूद घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी जारी है। मंगलवार 16 जून को फिर दोनों ईंधनों की कीमतें बढ़ी

हैं। पिछले 10 दिनों में पेट्रोल जहां 5.45 रुपये प्रति लीटर महंगा हुआ है, वहीं डीजल की कीमत भी 5.80 रुपए प्रति लीटर बढ़ गई है। दिल्ली में आज डीजल 57 पैसे तो पेट्रोल 47 पैसे महंगा हुआ। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत कल के 76.26 रुपए से बढ़कर 76.73 रुपए प्रति लीटर हो गई जो कि 47 पैसे महंगा है। इसी तरह डीजल की कीमत 74.62 रुपए से बढ़कर 75.19 रुपए प्रति लीटर हो गई जो कल के मुकाबले 57 पैसे महंगा है। दिल्ली पेट्रोल 75.16 और और डीजल 73.39 रुपए, मुंबई 83.62, डीजल 73.75 रुपए, चेन्नै पेट्रोल 80.37, डीजल 73.17 रुपए और कोलकाता में पेट्रोल 78.55 और डीजल 70.84 रुपि प्रति ?लिटर ?बिक रहा है। पिछले 10 दिनों से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में नरमी है, लेकिन घरेलू बाजार में इसकी कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। अभी इंडियन बास्केट कच्चे तेल की कीमत घट कर 35 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रह गया है।

भेदिया कारोबार मामला: सेबी ने 3.83 करोड़ जब्त करने का आदेश दिया

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने एक भेदिया कारोबार मामले में डायनामेटिक टेक्नालॉजीज लिमिटेड (डीटीएल) के प्रबंध निदेशक और सीईओ उदयंत मल्होत्रा की 3.83 करोड़ रुपए से अधिक जब्त करने का आदेश दिया। सेबी ने कहा ?कि यूपीएसआई अवधि के दौरान किए गए सौदों में होने वाले अनुमानित नुकसान की राशि 3.83 करोड़ रुपए को तत्काल प्रभाव से उदयंत मल्होत्रा से जब्त किया जाए। नियामक ने अगस्त-नवंबर 2016 के बीच डायनामेटिक

टेक्नालॉजीज लिमिटेड (डीटीएल) के शेयरों में संभावित भेदिया कारोबार की जांच की। जांच के दौरान नियामक ने पाया कि डीएलएल के सीईओ और प्रबंध निदेशक होने के नाते मल्होत्रा ?के पास यूपीएसआई (अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी) थी और उन्होंने कंपनी के शेयरों का सौदा किया। सेबी ने पाया कि डीटीएल के तिमाही वित्तीय परिणामों को 11 नवंबर 2016 को बाजार बंद होने के बाद शेयर बाजारों को सूचित किया गया, और अगले दिन डीटीएल के शेयर गिर गए। इस प्रकार मल्होत्रा ?ने यूपीएसआई के आधार पर कारोबार किया और 3.83 करोड़ रुपए से अधिक के नुकसान से बच गए।

वीरांगना बलिदान मेला झांसी दुर्ग से पहुंची शहीद ज्योति यात्रा

ग्वालियर। वीरांगना बलिदान मेला के संस्थापक अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री श्री जयभान सिंह पवैया और ग्वालियर सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने आज रानी की पुण्य आत्मा की प्रतीक शहीद ज्योति को फूलबाग स्थित रानी लक्ष्मीबाई समाधि स्थल पर स्थापित किया। इससे पूर्व बुंदेलखंडी युवाओं की टोली रानी की

सांसद विवेक नारायण शेजवलकर फूलबाग स्थित रानी लक्ष्मीबाई समाधि स्थल पर स्थापित किया

पुण्य आत्मा की प्रतीक शहीद ज्योति झांसी दुर्ग से ग्वालियर लेकर पहुंचे। जिसे वीरांगना मेला के संस्थापक अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री जयभान सिंह पवैया ग्वालियर सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने गाइड लाइन का पालन करते हुए 20 लोगों की टोली और वीरांगना की झांकियों के साथ पदयात्रा करते हुए लक्ष्मीबाई समाधि स्थल पर पहुंचे। शहीद ज्योति स्थापित करने के बाद नागरिकों ने समाधि स्थल पर कोरोना गाइड लाइन का पालन करते हुए दीपदान

किया। साथ ही चीन की सीमा पर शहीद हुए भारत के जवानों की शहादत पर दीप जलाए। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष श्री कमल माखीजानी, डॉ हरिमोहन पुरोहित, कनवर मंगलानी, दीपक शर्मा, राकेश खुरासिया, ओमप्रकाश शेखावत, दारासिंह सेंगर, पवनकुमार सेन, मंडल अध्यक्ष बृजमोहन शर्मा, प्रयाग तोमर, हरीश यादव, डॉ राकेश रायजादा सहित ग्वालियर के नागरिकगण उपस्थित रहे। आज सुबह बैठेंगे श्रद्धांजलि उपवास पर कल 18 जून की सुबह 7:55 बजे पुष्पांजलि करने के पश्चात् बलिदान मेला के संस्थापक अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री श्री जयभान सिंह पवैया 20 प्रतिष्ठि नागरिकों के साथ प्रातः 8 से 12 बजे तक वीरांगना को भाव सुमन अर्पित करने श्रद्धांजलि उपवास पर बैठेंगे। साथ ही चीन सीमा पर शहीद हुए भारतीय जवानों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। साँय ठीक 8 बजे सांस्कृतिक झांकियों के साथ देश के नामचिन्ह ओज कवि श्री विनीत चौहान फेसबुक पर लाइव काव्यपाठ करेंगे। इस मौके पर 20 वर्षों से आयोजित होने वाले ऐतिहासिक समारोह पर आधारित डॉक्युमेंट्री का प्रदर्शन किया जायेगा।

कोरोना योद्धा एसपी नवनीत भसीन का सम्मान किया गया

ग्वालियर। बुधवार को लायंस क्लब ग्वालियर नॉर्थ के द्वारा कोरोना योद्धाओं के सम्मान की श्रंखला में हमारे कोरोना योद्धा एसपी नवनीत भसीन जी का सम्मान किया गया तथा सैनिटाइजर एवं मास्क का वितरण किया गया इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष डॉ प्रमोद पहारिया एमजीएफ लायन रमेश सेठ जी, लाइन सुधीर वाजपेई लायन आशुतोष सेठ सचिव लायन शरद सारस्वत गिरीश रजक एवं अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे आज स्क ऑफिस में मीटिंग हुई, मीटिंग मैं स्क ने कहा कि हमारे असली कोरोना वोरीयर सम्माननीय डॉक्टर्स हैं जो दिन रात मरीजों के इलाज में लगे हैं इन सम्माननीय डॉक्टर्स का सम्मान SP व IG द्वारा 21-22 जून को होना प्रस्तावित है

बिजली कंपनी के कार्मिकों को अब सेल्फी से दर्ज करनी होगी उपस्थिति

ग्वालियर। अब मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के कार्मिक सेल्फी से भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकेंगे। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कोविड-19 के कारण उत्पन्न परिस्थितियों के दृष्टिगत कंपनी के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा अपनी उपस्थिति दर्ज करने के लिये कंपनी में प्रचलित आधार आधारित बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली की वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में सेल्फी आधारित उपस्थिति प्रणाली लागू की जा रही है। इस प्रणाली में उपस्थिति दर्ज करने के लिये कार्मिक को अपने कार्यालय में निर्धारित शिफ्ट/समय पर उपस्थित होकर अपने स्वयं के मोबाईल से कंपनी के ''प्रयास एप'' को खोलकर सेल्फी के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करना होगी। इसके माध्यम से कार्मिकों की उपस्थिति अक्षांश एवं देशांतर के आधार पर दर्ज हो जाएगी तथा कार्यालय छोडते समय भी समान प्रक्रिया का पालन करना होगा। कार्मिक ऐसे स्थान से सेल्फी लेंगे, जहाँ से उनके बैठने का स्थान अथवा कार्य करने का स्थान स्पष्ट हो। इस संबंध में कंपनी ने आदेश लागू कर दिया है।

बारिश से पहले अधूरी सड़कों का निर्माण होने से रहवासियों को मिलेगी राहत - गोयल

ग्वालियर। आज वार्ड 18 के अंतर्गत आदित्यपुरम क्षेत्र में ग्रीनवुड स्कूल से दंडोतिया मार्केट तक एवं सरकार गार्डन से आश्रय ग्रीन सिटी, आईएचएम बाउंड्री से लेकर वैभव एनक्लेव तक डब्ल्यूबीएम रोड का भूमिपूजन पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल ने किया। इस अवसर पर उनके साथ भाजपा मंडल अध्यक्ष रामप्रकाश सिंह परमार, क्षेत्रीय पार्षद जबर सिंह, पार्षद बलवीर सिंह तोमर, वरिष्ठ नेता बबलू तोमर, हरसिंह यादव इस्लाम खान, जावेद अख्तर, प्रमोद शर्मा, दिनेश यादव सहित कई क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित थे। इस भूमिपूजन के अवसर पर पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल ने कहा कि यहाँ के क्षेत्रवासी पिछले काफी समय से उबड़ खाबड़ कच्चे रास्ते के कारण परेशान थे, आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। बारिश में यहाँ स्थिति बहुत ही खराब हो जाती थी। अब इस डब्ल्यूबीएम सड़क निर्माण के बाद यहाँ के रहवासियों को राहत मिलेगी।

फार्मेसी डिप्लोमा द्वितीय और अंतिम वर्ष की परीक्षा स्थगित

ग्वालियर। राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल ने डिप्लोमा फार्मेसी की द्वितीय और अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की परीक्षाएँ भी आगामी आदेश तक स्थगित कर दी हैं। विश्वविद्यालय के सचिव ने बताया कि उक्त परीक्षाएँ 17 जुलाई से निर्धारित थी। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा गत दिवस इंजीनियरिंग अंतिम वर्ष की परीक्षाएँ आगामी आदेश तक स्थगित करने का निर्णय लिया गया था।

कामगार पोर्टल संबंधी प्रशिक्षण आज

ग्वालियर। मुख्यमंत्री शहरी असंगठित कामगार एकीकृत पोर्टल के सुचारु संचालन के लिये 18 जून को शाम 4 बजे से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। सभी नगर निगम आयुक्तों और मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को जिला-स्तर पर एनआईसी में नियत समय पर उपस्थित होने के निर्देश दिये गये हैं।

क्राईम ब्रांच की सतर्कता से फरियादी के क्रेडिट कार्ड से हुए इंटरनेशनल ट्रांजेशन 76,000/-रूपये वापस मिले

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर नवनीत भसीन,भापुसे को दिनांक 16.06.2020 को आवेदक डॉ.गौकरन मॉझी निवासी ग्वालियर ने एक लिखित शिकायती आवेदन पत्र प्रस्तुत किया जिसमे उनके द्वारा बताया गया कि मेरी जानकारी के बिना मेरे क्रेडिट कार्ड से 76,000/- रूपये निकाले जाने की षिकायत की। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा उक्त शिकायती आवेदन पत्र को गंभीरता से लेते हुऐ अति0 पुलिस अधीक्षक,अपराध ग्वालियर सतेन्द्र सिंह तोमर एवं डीएसपी अपराध रत्नेष सिंह तोमर को उक्त शिकायत की जांच क्राइम ब्रांच ग्वालियर से कराने हेतु थाना प्रभारी क्राईम ब्रांच को निर्देशित किया।वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के परिपालन में थाना प्रभारी क्राईम ब्रांच ग्वालियर दामोदर गुप्ता द्वारा उनि0 हरेन्द्र राजपूत

को उक्त शिकायत पर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। उनि0 हरेन्द्र राजपूत उनि0 धर्मेन्द्र शर्मा ने, आर0 शिवशंकर शर्मा, आर0 सुमित भदौरिया, आर0 लाकेन्द्र राणा, आर0 सुनील शर्मा, आर0 ओमषंकर, आर0 श्याम मिश्रा, मआर0 राजकुमारी व मआर0 रिचा तोमर के साथ मिलकर त्वरित कार्यवाही करते हुये बैंक से संपर्क कर खाते को होल्ड करवा कर बैंक के अधिकारियों व हाई ऑथोरिटी से सम्पर्क कर त्वरित कार्यवाही करते हुये 76,000/- रू0 फरियादी के खाते में वापस करवाये। फरियादी ने थाना में उपस्थित होकर आभार व्यक्त किया है। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा पैसे वापस कराने वाली टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की।

द्वारा धोखे से हमला करके 20 सैनिकों को निर्मम तरीके से हत्या किए जाने के विरोध में

चाइना का ध्वज एवं पुतला दहन कर विरोध दर्ज किया

ग्वालियर। भारत के वीर सैनिकों पर चाइना द्वारा धोखे से हमला करके 20 सैनिकों को निर्मम तरीके से हत्या किए जाने के विरोध में ग्वालियर के प्रबुद्ध नागरिकों ने चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग का पुतला दहन कर एवं चीन का राष्ट्रीय ध्वज का दहन कर आक्रोश व्यक्त किया पुतला दहन कार्यक्रम वीरांगना लक्ष्मीबाई समाधि स्थल के सामने फूल बाग ग्वालियर मैं किया गया। प्रदर्शनकारी प्रबुद्ध नागरिकों ने एक जुलूस के रूप में चीन के राष्ट्रपति जिंग पिंग मुर्दाबाद दोगला चाइना मुर्दाबाद भारत माता की जय, चीन नहीं यह धोखा है धक्का मारो मौका है के गगनभेदी नारों के साथ पुतला लेकर कार्यक्रम स्थल पहुंचे जहां प्रबुद्ध नागरिकों के संयोजक पंडित महेश मुद्गल ने पुतला दहन को मुखाग्नि दी। पुतला दहन कार्यक्रम में प्रबुद्ध प्रबुद्ध नागरिक मंच के संयोजक एवं प्रबुद्ध समाज सेवी पंडित महेश मुद्गल सर्वश्री पंडित रामबाबू कटारे श्री उमेश उप्पल अचलेश्वर न्यास के अध्यक्ष हरी अग्रवालदास अचलेश्वर न्यास के पूर्व न्यासी श्री नरेंद्र सिंगल अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद के जिला अध्यक्ष श्री विजय कब्जू जगदीश उपाध्याय काली पंडित श्री महेंद्र सिंह श्री रामलीला मंडल मुरार के पूर्व अध्यक्ष अशोक जैन समाजसेवी संजय कटारे महेंद्र गुप्ता आदर्श दीक्षित संजय जैन आलोक अग्रवाल आदि बड़ी संख्या में प्रबुद्ध नागरिक गण शामिल थे।

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन का पुनर्गठन

ग्वालियर। जिला जल एवं स्वच्छता मिशन÷ का पुनर्गठन किया गया है। भारत सरकार के पेयजल, स्वच्छता एवं जल शक्ति मंत्रालय और राज्य शासन के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जारी आदेश के परिपालन में जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में इस मिशन का गठन किया गया है। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने जिला जल एवं स्वच्छता मिशन के उपाध्यक्ष का दायित्व जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को सौंपा है। संभागीय वनमण्डलाधिकारी, जिला परियोजना निदेशक आईटीडीपी, जिला चिकित्सा अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन व लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जिला कृषि अधिकारी, जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी तथा महाप्रबंधक परियोजना क्रियान्वयन इकाई जल निगम को मिशन में बतौर सदस्य शामिल किया गया है। जिला जल एवं स्वच्छता मिशन खासतौर पर हर गाँव में पेयजल व्यवस्था के लिये ग्राम कार्य योजना तैयार करेगा। साथ ही वर्ष 2024 तक हर ग्रामीण परिवार को घरेलू नल कनेक्शन देने के लिये जिला कार्ययोजना को भी अंतिम रूप देगा। इसके अलावा जल आपूर्ति परियोजनाओं की स्वीकृति, गाँव के भीतर मौजूद जल स्त्रोतों के प्रबंधन के लिये निधि की व्यवस्था, जल परियोजनाओं की डीपीआर तैयार करना, जल आपूर्ति से जुड़े विभिन्न विभागों के बीच समन्वय, प्रधानमंत्री कौशल विकास केन्द्र के साथ मिलकर कुशल मानव संसाधन के समूह तैयार करना इत्यादि काम भी जिला जल एवं स्वच्छता मिशन द्वारा किए जायेंगे।

पुरस्कार वितरण समारोह आज

ग्वालियर। मराठी साहित्य संस्था ग्वाल्हेर व्हाट्सएप समूह द्वारा रानी लक्ष्मीबाई की स्मृति में ऑनलाइन स्लोगन चित्र स्पर्धा का आयोजन किया गया था जिसका पुरस्कार वितरण समारोह 18 जून को सुबह 8ः00 बजे महारानी लक्ष्मी बाई की समाधि स्थल फूलबाग पर किया जाएगा इस अवसर पर मुख्य अतिथि सांसद विवेक शेजवलकर होंगे कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक सिंह करेंगे।

बिलिंग संबंधी शिकायतों के निराकरण के लिये विशेष शिविर लगायें

ग्वालियर। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक ने ग्वालियर चंबल संभाग में विद्युत वितरण प्रणाली सुदृढ़ीकरण के स्वीकृत कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। ग्वालियर शहर सहित सभी जिलों के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बिलिंग संबंधी शिकायतों के निराकरण के लिए विशेष शिविर लगाने के निर्देश दिए गए हैं। निष्ठा मीटर रीडिंग एप के माध्यम से मीटर रीडरों द्वारा ली जा रही रीडिंग की मॉनीटरिंग सतत् रूप से की जाए ताकि बिलिंग संबंधी शिकायतें हो ही नहीं। प्रबंध संचालक ने कहा कि ग्वालियर चंबल संभाग में खासतौर से भिण्ड, श्योपुर एवं ग्वालियर शहर में विक्रित यूनिट बढ़ाना होगा इसके लिए नये कनेक्शन दिए जाएं। एग्रीकल्चर फीडरों में लोड पोटेन्सियल को देखते हुए पम्प कनेक्शनों की संख्या को बढ़ाने के लिए नए कनेक्शन दिए जाएं और मौजूदा पम्प कनेक्शनों के लोड का परीक्षण कर सही लोड का मापन कर स्वीकृत किया जाए। यह निर्देश ग्वालियर-चंबल संभाग के मैदानी अधिकारियों की वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से कंपनी मुख्यालय में सम्पन्न बैठक में दिए गए। प्रबंध संचालक ने कहा कि सतर्कता चेकिंग तथा बिजनेस इंटेलीजेंस सेल की गतिविधियां ग्वालियर चंबल संभाग में बढ़ाने की जरूरत है ताकि एटीएण्डसी हानियों को कम किया जा सके। उन्होंने बकायादार उपभोक्ताओं (नॉन पेयी) से लगातार डोर-टू-डोर संपर्क करने के निर्देश दिए ताकि उपभोक्ताओं की यह आदत बन सके कि वह बिजली का बिल हर महीने भुगतान करें। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों से संपर्क एवं संवाद रखा जाए ताकि विद्युत व्यवस्था को सुचारू बनाने और राजस्व संग्रहण में भी आवश्यक सहयोग मिल सके। कृषि उपभोक्ताओं के आधार नंबर एवं मोबाइल नंबर बिलिंग प्रणाली के साथ शत-प्रतिशत जोड़े जाएं। इसके साथ ही घरेलू, गैर घरेलू एवं अन्य श्रेणी के उपभोक्ताओं के आधार एवं मोबाइल नंबर को जोड़ने का भी अभियान चलाया जाए। बिलिंग चक्र के अनुसार उपभोक्ताओं की बिलिंग की जाए। ऐसे वितरण केन्द्र, जो बिलिंग शेड्यूल के अनुसार नहीं चल रहे हैं, उनमें 30 जून तक सुधार किया जाए। कंपनी द्वारा बिजली चोरी की रोकथाम के लिए इंफॉरमेशन स्कीम लागू की गई है। इस स्कीम के अंतर्गत सूचनाकर्ता द्वारा दी गई सूचना पर विजिलेंस चेकिंग के दौरान बिजली चोरी साबित होने पर राजस्व वसूली का 10 प्रतिशत सफल सूचनाकर्ता को प्रदान किया जाएगा। कंपनी के नियमों के विपरीत जिन जूनियर इंजीनियर और असिस्टेंट इंजीनियर ने अस्थाई कनेक्शन जारी किये हैं और उन कनेक्शनों पर बकाया राशि है, ऐसे मामलों की 30 जून तक समीक्षा करने के निर्देश दिए गए। समीक्षा उपरांत दोषी अधिकारियों के विरूद्ध आरोप पत्र जारी करने का निर्णय लिया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में राजस्व वसूली के लिए कॉमन सर्विस सेन्टर, एम.पी.ऑनलाइन और ऑनलाइन क्क्ष् एप जैसे माध्यमों से उपभोक्ताओं को प्रोत्साहित किया जाए ताकि राजस्व संग्रहण प्रभावी ढंग से हो सके। प्रबंध संचालक ने विद्युत आपूर्ति की समीक्षा की और निर्देशित किया कि पात्रता वाले खराब तथा जले ट्रांसफार्मर 3 से 4 दिन के अंदर बदल दिए जाएं। ट्रांसफार्मर की असफलता दर 5 प्रतिशत तक सीमित की जाए और ट्रिपिंग (विद्युत अवरोध) की शिकायतें न्यूनतम होनी चाहिए।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक- भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निअर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478